संस्थापक: स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

# हिन्द जनपथ

पंचकूला
सोमवार
26 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 214
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

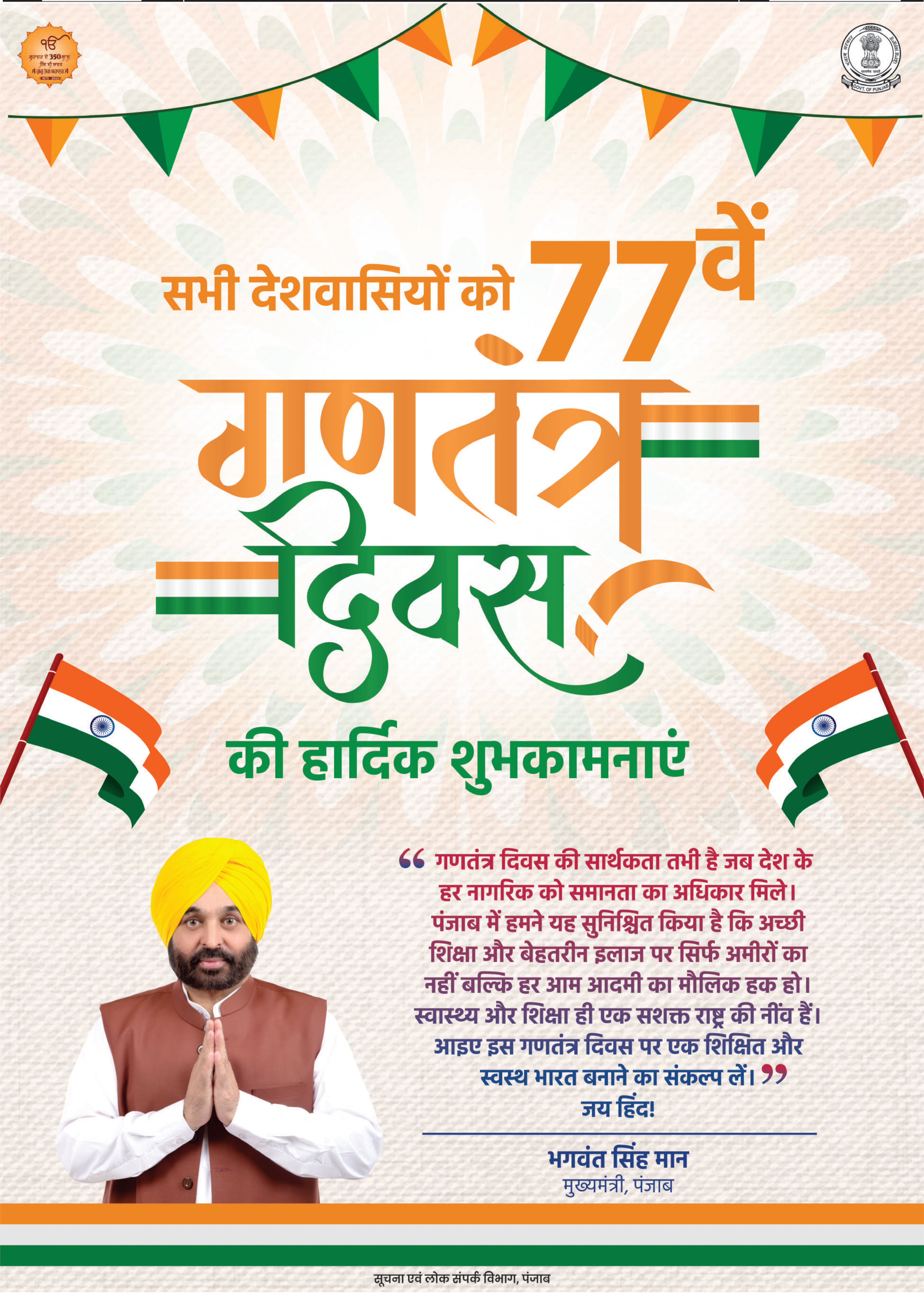

## 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर ज़िला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

**सोलन।** उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन भारत के सभी नागरिकों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का स्मरण करवाता है। मनमोहन शर्मा आज यहां 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित ज़िला स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। मनमोहन शर्मा ने इस अवसर पर ज़िला वासियों को पूर्ण राज्यत्व दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 25 जनवरी का दिन प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गौरवमयी है। एक ओर जहां 25 जनवरी, 1971 के दिन प्रदेश को पूर्ण राज्यत्व का दर्जा हासिल हुआ वहीं दूसरी ओर मज़बूत लोकतंत्र की पहचान के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस भी 25 जनवरी को ही आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में इस दिवस को मतदाता दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना व मज़बूत लोकतंत्र के लिए शत-प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण करवाना नितांत आवश्यक है। किसी भी देश के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था से अच्छी कोई दूसरी व्यवस्था नहीं है, इसलिए इसे मज़बूत करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उपायुक्त ने कहा कि यह दिवस भारतीय निर्वाचन आयोग का स्थापना दिवस भी है। निर्वाचन आयोग द्वारा 25 जनवरी, 2011 को पहली बार मतदाता दिवस मनाया गया था। लोकतांत्रिक परम्पराओं एवं व्यवस्थाओं को बनाए रखने तथा उन्हें सुदृढ़ आधार प्रदान करने के दृष्टिगत भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 और 329 के तहत स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन करवाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग का गठन किया गया है। निर्वाचन आयोग के नियंत्रण में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्य सभा के अतिरिक्त लोकसभा व विधानसभा के चुनाव, मतदाता सूची तैयार करना, फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र जारी करना जैसे कार्य हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवा वर्ग का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जो युवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं को सबसे पहले अपना मतदाता पहचान पत्र बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान के माध्यम से ही देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित होती है। युवाओं की जागरूकता देश, प्रदेश एवं समाज के लिए प्रहरी का कार्य करती है। युवा मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी भेदभाव के पूरी सूझबूझ के साथ करना चाहिए। उपायुक्त ने इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित मतदाताओं एवं अन्य को सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संदेश का प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि द्वारा नव पंजीकृत मतदाताओं को मतदान पहचान पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन की छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। तहसीलदार निर्वाचन उषा चौहान ने मुख्यतिथि का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से भी मतदाता अपना मतदान पहचान पत्र बना सकते हैं। नायब तहसीलदार निर्वाचन दीवान ठाकुर ने मुख्यातिथि का धन्यवाद किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन, उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल, बूथ स्तर के अधिकारी व पर्यवेक्षक, नव पंजीकृत मतदाता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

## राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर माय भारत द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

**धर्मशाला ।** राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2026 के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में माय भारत, कांगड़ा तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, धर्मशाला के संयुक्त सहयोग से आज एक भव्य मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को उनके मताधिकार के महत्व से अवगत

कराना, लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाना तथा युवाओं को सक्रिय लोकतांत्रिक सहभागिता के लिए प्रेरित करना रहा। रैली की शुरुआत साई स्टेडियम, धर्मशाला से हुई, जो गांधी स्मारक, धर्मशाला तक पहुँची तथा पुनः साई स्टेडियम में आकर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने मेरा वोट, मेरा अधिकार जैसे जागरूकता नारों के माध्यम से मतदाता सहभागिता का संदेश दिया। इस अवसर पर युवा संगठनों, शिक्षण संस्थानों, एनसीसी इकाइयों, स्वयंसेवी संगठनों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने यह संकल्प भी लिया कि वे स्वयं मतदान करेंगे और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर उप निदेशक मेरा युवा भारत कांगड़ा ध्रुव डोगरा ने बताया कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं में लोकतंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ती है तथा वे राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदार भूमिका को समझते हैं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने लोकतंत्र को मजबूत करने की शपथ ली। इस अवसर पर 23 नए मतदाताओं को पदक और बैज देकर सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा पालमपुर में नव दृष्टि युवा क्लब में भी नए मतदाताओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता रैलियां आयोजित की, जिसमें स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

## अधिकारियों का किया स्वागत

**सोलन ।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल का आज सोलन पहुंचने पर उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने किया स्वागत। बघाट बैंक के अध्यक्ष अरुण शर्मा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम निदेशक मण्डल के सदस्य जतिन साहनी, ज़िला कांग्रेस समिति सोलन के अध्यक्ष सुभाष चंद बरमानी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. शांडिल कल प्रातः सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस के मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम प्रातः 11.00 बजे आरम्भ होगा।

### इस माह होगा 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के पेंशनभोगियों के बकाया का भुगतानः मुख्यमंत्री

# मुख्यमंत्री ने पूर्ण राज्यत्व दिवस पर प्रागपुर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

● प्रागपुर में एसडीएम कार्यालय और नल्सूहा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की घोषणा ● अंतिम चरण में 'समृद्ध हिमाचल विजन' दस्तावेजः मुख्यमंत्री

**शिमला।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज कांगड़ा जिले के प्रागपुर में आयोजित 56वें पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह के दौरान हिमाचल प्रदेश के लोगों को शुभकामनाएं दीं। यह प्रागपुर में आयोजित पहला समारोह था। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड टुकड़ियों से सलामी ली। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर आईपीएस अधिकारी तरुणा ने किया। परेड में आईआरबीएन जंगलबैरी, आईआरबीएन सकोह, आईआरबीएन पंडोह, पुलिस जिला नूरपुर, होमगार्ड महिला बटालियन धर्मशाला, होमगार्ड पुरुष और महिला बटालियन धर्मशाला, एसडीआरएफ पंडोह, धर्मशाला ट्रैफिक पुलिस, वन मित्र, एनसीसी राजकीय महाविद्यालय ढलियारा, स्काउट्स एंड गाइड्स और अन्य इकाइयों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और हिमाचल प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार के अमूल्य योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने किसानों और बागवानों की भागीदारी सुनिश्चित करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य में एक कृषि और बागवानी आयोग के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस आयोग के गठन के लिए आगामी विधानसभा बजट सत्र में एक विधेयक पेश करेगी। उन्होंने जसवां विधानसभा क्षेत्र के प्रागपुर में एसडीएम कार्यालय और नल्सूहा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभाली तो पूर्व सरकार ने कर्मचारियों के वेतन और पेंशन बकाया के रूप में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां छोड़ी थीं। वर्तमान में यह राशि 8,555 करोड़ रुपये है। कठिन वित्तीय हालात के बावजूद उन्होंने जनवरी माह में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की लंबित पेंशन और पारिवारिक पेंशन बकाया का पूरा भुगतान करने की घोषणा की। इसके लिए 90 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, जो 1 जनवरी, 2016 और 31 दिसंबर, 2021 के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं, उनका पेंशन और अन्य लाभ में संशोधन के कारण ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट का एरियर बना है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ग्रेच्युटी के बकाए के अतिरिक्त 50 प्रतिशत और लीव एनकैशमेंट के बकाए के 70 प्रतिशत का भुगतान उन्हें जनवरी माह में किया जाएगा। राज्य सरकार के इस देनदारी पर 96 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि इस अवसर के जरिए 55 वर्षों की उपलब्धियों का आकलन करने और आने वाले वर्षों में राज्य को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, इस पर विचार करने का मौका मिला है। इस जिम्मेदारी और विजन के साथ, राज्य सरकार 'समृद्ध हिमाचल विजन' नाम का एक दस्तावेज तैयार कर रही है जो अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि यह विजन दस्तावेज राज्य के लोगों, विशेषज्ञों, प्रशासन और संस्थानों के साथ बड़े पैमाने पर संवाद करके तैयार किया जा रहा है। दस्तावेज का मसौदा बनाते समय हिमाचल प्रदेश के पर्यावरण, मेहनती लोगों की आकांक्षाओं और समृद्ध सामाजिक परंपराओं का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य ऐसी विकासात्मक योजना बनाना है जो पर्यावरण के अनुकूल, आपदा प्रतिरोधी और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चले। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह विजन एक साझा रोडमैप के तौर पर कार्य करेगा, जो विकास और जिम्मेदारी, प्रगति और पर्यावरण संरक्षण, आकांक्षाओं और वास्तविकता के बीच संतुलन बनाए रखेगा ताकि हिमाचल प्रदेश अपनी अलग पहचान को बनाए रखते हुए लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सके। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार को राजस्व घाटा अनुदान के रूप में 46,862 करोड़ रुपये मिले थे जबकि मौजूदा सरकार को अब तक सिर्फ 18,903 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि अगर कुल केंद्रीय हस्तांतरण को ध्यान में रखा जाए, तो भाजपा सरकार के दौरान यह राशि 1,16,000 करोड़ रुपये थी जबकि मौजूदा सरकार को आज तक सिर्फ 70,191 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी मुआवजे के तहत भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान 12,861 करोड़ रुपये दिए गए जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में यह मुआवजा राशि बंद कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

15वें वित्त आयोग के कार्यकाल के दौरान पूर्व भाजपा सरकार को वर्ष 2020-21 और 2021-22 में कोविड अवधि के दौरान अतिरिक्त ऋण लेने की अनुमति दी गई थी। हालांकि, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने के कारण वर्तमान सरकार को 1,700 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण लेने की सुविधा पर रोक लगा दी गई है। प्रदेश सरकार ने अपने संसाधनों को बढ़ाकर और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करके वित्तीय स्थिति को और बेहतर करने का काम किया है। राज्य का अपना राजस्व, जो पूर्व सरकार के पांच साल के कार्यकाल में 55,000 करोड़ रुपये था, वह मौजूदा सरकार के सिर्फ तीन वर्षों में 49,500 करोड़ रुपये पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि आज हमें अपने पैरों पर खड़ा होना है और इसके लिए कड़े फैसले लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में 'व्यवस्था परिवर्तन' के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। प्रदेश सरकार संसाधनों की लूट की इजाजत नहीं देगी जबकि पूर्व सरकार ने राज्य के हितों से समझौता किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वाइल्ड फ्लावर हॉल होटल और कड़छम-वांगतू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े कानूनी मामलों में जीत हासिल की है। प्रदेश सरकार पड़ोसी राज्यों से बीबीएमबी का बकाया वसूलने और चंबा जिले में बैरा सियूल हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और मंडी जिले में शानन परियोजना को पंजाब सरकार से वापस लेने के लिए मजबूती से कानूनी लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पूरे उत्तर भारत को शुद्ध वायु, पानी, बिजली और पारिस्थितिकीय संतुलन देता है। राज्य के पास लाखों करोड़ो रुपये की वन संपदा है। उन्होंने कहा कि अगर हम चाहते तो अपना सारा कर्ज चुकाने के लिए एक वर्ष में अपने जंगल बेच सकते थे, लेकिन हम ऐसा गैर-जिम्मेदाराना कदम कभी नहीं उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के संसाधनों की रक्षा करने और उसे समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत के फेफड़ों की तरह काम करता है। अगर पंजाब और हरियाणा को देश का अन्न भंडार कहा जाता है तो यह हिमाचल की नदियों की वजह से है क्योंकि ये इन राज्यों की जमीन की सिंचाई में अहम भूमिका निभाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए अपने दस वादों में से सात पूरे कर दिए हैं। पात्र महिलाओं को हर माह 1,500 रुपये चरणबद्ध तरीके से दिए जा रहे हैं और यह गारंटी अगले दो वर्षों के भीतर पूरे राज्य में लागू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था तभी मजबूत होगी जब युवाओं को उनके गांवों के पास सम्मानजनक स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं एक किसान का बेटा हूं और मैंने किसानों, बागवानों और पशुपालकों के संघर्षों को बेहद करीब से देखा और अनुभव किया है। इसलिए हमारी सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पैसा सीधे किसानों के हाथों में पहुंचे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने न्यूजीलैंड से सेब पर आयात शुल्क का मुद्दा भी केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। प्रदेश सरकार हर मंच पर सेब बागवानों के मामलों को मजबूती से उठाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों को लेकर किसानों और बागवानों में व्यापक रोष है। देश में उपलब्ध कीटनाशकों, उर्वरकों और स्प्रे की गुणवत्ता घटिया है। यह सब बेहद ऊंची कीमतों पर बेचा जा रहा है। परिणामस्वरूप बगीचों में असमय पत्ते झड़ रहे हैं, और पौधे कई गंभीर बीमारियों की चपेट में हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में मनरेगा योजना को खत्म करके एक और बड़ा झटका दिया है। केंद्र सरकार ने मनरेगा की मूल भावना को ही खत्म कर दिया है। यह मांग पर आधारित कानून था जिसके तहत कोई भी बेरोजगार, मजदूर रोजगार के लिए पंचायत में आवेदन कर सकता था। नए कानून के तहत इस प्रावधान को अब हटा दिया गया है। इसके विपरीत हिमाचल प्रदेश सरकार ने मनरेगा मजदूरी को 247 रुपये से बढ़ाकर 320 रुपये कर ऐतिहासिक बढ़ोतरी की है। इसके अतिरिक्त कृषि के पीक सीजन और आपदा के समय मनरेगा के कार्य रोक दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मांग आधारित कार्यों का खर्च अब राज्य सरकार पर डाला जा रहा है। इससे धरातल पर रोजगार के अवसर कम होंगे और गरीबों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त नहीं होगा। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने पक्का घर होने की शर्त को हटाकर बीपीएल चयन के मानदंडों में ढील दी है। इसके अतिरिक्त, पहली बार सरकार उन 27,717 परिवारों को पक्के घर देने जा रही है जो पिछले 20 सालों से आईआरडीपी का हिस्सा रहे हैं। यह परिवार कई वर्षों से कच्चे घरों में रहने को मजबूर थे। उन्होंने कहा कि गंभीर वित्तीय संकट से जूझते हुए राज्य ने 2023 और 2025 में दो विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया। राज्य सरकार ने नुकसान के मुआवजे का मुद्दा केंद्र सरकार के समक्ष बार-बार उठाया लेकिन पर्याप्त सहायता प्रदान नहीं की गई। उन्होंने कहा कि विपक्ष भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। जनता की आवाज बनने के बजाय विपक्ष ने धनबल के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद, सरकार आपदा प्रभावित लोगों के साथ सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ दिन रात खड़ी रही और उनके दुःख-दर्द को साझा किया। प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावितों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करते हुए मुआवजे की राशि में कई गुणा बढ़ोतरी की है जो देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के घर आपदा में पूरी तरह से तबाह हो गए हैं, उन्हें नए घर के निर्माण के लिए 8 लाख रुपये दिए जा रहे हैं, साथ ही अन्य नुकसानों के लिए बढ़ी हुई वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन शिकायतों का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। काफी समय से लंबित राजस्व मामलों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से विशेष राजस्व अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। अब तक रिकॉर्ड लगभग 5,10,257 राजस्व मामलों का निपटारा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में सुधारों पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। राज्य सरकार ने 15 से 20 वर्ष पुरानी मशीनरी और उपकरणों को बदलने के लिए 3,000 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया है। राज्य में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत की गई है जिसका उद्देश्य लोगों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और समसामयिक जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम और शिक्षण प्रणालियों में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, हिमाचल प्रदेश ने हाल ही में देश में छात्रों को गुणवत्ता शिक्षा देने में 5वां स्थान हासिल किया है जबकि 2021 में यह 21वें पायदान पर था। इसके अतिरिक्त, प्रदेश ने छात्रों के पढ़ने और सीखने के स्तर के मामले में पहला स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा बनाई गई वेब सीरीज 'द व्हाइट ट्रुथ' भी रिलीज की। इस वेब सीरीज का उद्देश्य युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करना है। विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने परेड में शामिल प्रतिभागियों और सांस्कृतिक दलों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक संजय रतन, आशीष बुटेल, कमलेश ठाकुर, राकेश कालिया, रंजीत सिंह, मलेंद्र राजन, महाधिवक्ता अनूप रतन, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा, हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा, हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर, हिमाचल प्रदेश वूल फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज ठाकुर, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, एपीएमएसी कांगड़ा के अध्यक्ष निशु मोंगरा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुलदीप पठानिया, सुरेंद्र काकू, सुरेंद्र मनकोटिया, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

# मतदान करके लोकतान्त्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने में अपना सहयोग दें युवाः विनय कुमार

### राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर धर्मशाला में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

### युवा मतदाताओं को मतदान की दिलाई शपथ, नए वोटर्स किए सम्मानित

**धर्मशाला ।** बी.एड कॉलेज धर्मशाला के सभागार में आज रविवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने लोकतंत्र की सफलता में निर्वाचन के महत्व बारे बताया। उन्होने मतदाता दिवस की थीम 'माई इण्डिया, माय वोट' पर चर्चा की। उन्होंने मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करते हुए बिना किसी प्रलोभन के स्वतंत्र, निष्पक्ष व निर्भीक होकर सभी चुनावों में मतदान करने की शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि ने सभागार में उपस्थित नए मतदाताओं को वोटर कार्ड देकर सम्मानित किया। उन्होंने जिले के समस्त मतदाताओं से अपील की, कि भारत के लोकतन्त्र को सृदुढ़ करने के लिए लोकसभा और विधानसभा निर्वाचनों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों में अपना नाम अवश्य दर्ज करवाऐं तथा प्रत्येक निर्वाचन में मतदान करके लोकतान्त्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिकों की लोकतांत्रिक निर्वाचन प्रणाली में भागीदारी बढ़ाने के प्रयत्न के रूप में 'भारत निर्वाचन आयोग' अपने स्थापना दिवस 25 जनवरी को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह का मुख्य प्रयोजन नागरिकों में निर्वाचकीय जागरूकता पैदा करना तथा उन्हें चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। धर्मशाला में मनाए गए जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय गान एवं लघु नाटिका इत्यादि का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने मतदान के

लिए प्रेरणा देने के लिए अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार निर्वाचन पवन कुमार राणा ने बताया कि आज जिले के प्रत्येक मतदान केन्द्र तथा जिला स्तर पर इस दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाया गया। जिसके तहत इस जिला के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों 6-नूरपुर, 7-इन्दौरा, 8-फतेहपुर, 9-ज्वाली 10-देहरा, 11-जसवां प्रागपुर, 12-ज्वालामुखी, 13-जयसिंहपुर , 14-सुलह, 15-नगरोटा, 16-कांगड़ा, 17-शाहपुर, 18-धर्मशाला, 19-पालमपुर तथा 20-बैजनाथ में यह दिवस मनाया गया। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों में नए दर्ज हुए मतदाताओं को उनके मतदाता फोटो पहचान-पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

इसके अलावा समस्त 1642 बीएलओ ने भी सभी मतदान केन्द्रों पर वोटर जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम मोहित रत्न, निर्वाचन कानूनगो अर्पित धीमान, नायब तहसीलदार संजय कुमार तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, साई हॉस्टल के बच्चे और विभिन्न स्कूलों से आए अध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

### राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल ने विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया

**शिमला।** राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने निर्वाचन सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। राज्यपाल 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय मतदाता दिवस और हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्यत्व दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष निर्वाचन आयोग ने 'माई इंडिया, माई वोट' और 'भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में भारतीय नागरिक' को थीम के तौर पर चुना है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे धर्म, जाति या समुदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार का उत्सव मनाएं, जिससे शासन में जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके।

## मुख्यमंत्री ने 79.60 करोड़ रुपये की 8 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

**शिमला।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखु ने आज कांगड़ा जिले के जसवान प्रागपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रागपुर में 79.60 करोड़ रुपये की 8 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कसबा कोटला में 6.14 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मॉडल करियर सेंटर, रक्कर में 78 लाख रुपये की लागत से निर्मित राजकोष कार्यालय भवन, सालेटी के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 1.04 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित

अतिरिक्त आवास और जसवान प्रागपुर स्थित नवगठित जल शक्ति विभाग के 1.74 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने दादासिबा स्थित एसडीपीओ कार्यालय और दादासिबा, संसारपुर मेन और संसारपुर टेरेस स्थित पुलिस स्टेशनों का भी उद्घाटन किया। उन्होंने 9.60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली पिरसलुही (कांगड़ा) से किटपाल (हमीरपुर) तक की लिंक रोड, प्रागपुर तहसील के हेरिटेज गांव गरली और प्रागपुर के लिए 25.16 करोड़ रुपये की सीवरेज योजना, जसवान प्रागपुर निर्वाचन क्षेत्र के रक्कर जल शक्ति विभाग उपमंडल में विभिन्न नालों/खड्डों पर 16.12 करोड़ रुपये की चेक डैम और बांधों और कांगड़ा जिले के संसारपुर टेरेस के विद्युत उपमंडल के अंतर्गत 33/11 केवी जीआईएस उप स्टेशन कस्बा कोटा के निर्माण के लिए 18.96 करोड़ रुपये की सिस्टम सुधार योजना की आधारशिला भी रखी।

## आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

# पंजाबियों को अधिक अधिकार, 'रंगले पंजाब' की ओर बढ़ते कदम

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक गणराज्य होने पर गर्व महसूस करता है। स्वतंत्रता के लिए लड़े गए लंबे और ऐतिहासिक संघर्ष तथा उसके बाद 26 जनवरी, 1950 को एक अद्वितीय संविधान को अपनाने के साथ देश सही अर्थों में गणराज्य बना।

आज का यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारा संविधान 26 जनवरी, 1950 को महान राष्ट्रीय नेताओं और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के निरंतर प्रयासों के बाद लागू हुआ था। हमारा संविधान समानता आधारित समाज में समृद्ध जीवन के महत्व को दर्शाता है और न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा भाईचारे के प्रमुख सिद्धांतों को स्थापित करता है। हमारे पवित्र संविधान को लागू करने वालों ने हमें संसदीय लोकतंत्र दिया, जिसका उद्देश्य सामाजिक प्रगति के साथ-साथ सभी के लिए बेहतर जीवन और समान आजीविका के अवसर प्रदान करना है।

संविधान सभा ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि भारत सांस्कृतिक, धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं से समृद्ध विरासत वाला देश है। ऐसे विविधतापूर्ण देश को ऐसे संविधान की आवश्यकता थी जो वास्तव में इस विविधता के प्रति गहरे सम्मान और आदर को दर्शाए। वयस्क मताधिकार का मूल सिद्धांत, जो संविधान की आधारशिला है, इसी सोच का परिणाम है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण था क्योंकि हमें अपने मत का उपयोग करने की शक्ति मिली। 'लोगों की सरकार, लोगों के लिए और लोगों द्वारा' की अवधारणा ने हमारे पूर्वजों की भावनाओं और आकांक्षाओं को साकार किया। लगभग 75 वर्षों के दौरान, हर गुजरते दिन के साथ देश में लोकतांत्रिक गणराज्य की विशेषताएं और सुदृढ़ हुई हैं, क्योंकि देशवासियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास प्रकट किया और बिना किसी भय के मतदान के अधिकार के पक्ष में स्पष्ट निर्णय दिया।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व कुछ महान व्यक्तियों ने किया, जो धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के सच्चे समर्थक थे। महात्मा गांधी जी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद करतार सिंह सराभा सहित अनेक अन्य महान व्यक्तित्वों का इसमें अमूल्य योगदान है। यह हम सभी के लिए गर्व और संतोष की बात है कि पंजाबियों को हमारे महान सिख गुरुओं से आत्म-बलिदान और देशभक्ति की अद्वितीय भावना विरासत में मिली है, जिन्होंने हमें अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना सिखाया। स्वतंत्र और संप्रभु भारतीय गणराज्य का वह स्वप्न, जिसे हमारे महान पूर्वजों ने देखा था, देशवासियों और विशेष रूप से पंजाबियों द्वारा शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष के दौरान दी गई अपार कुर्बानियों के कारण साकार हुआ।

राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों द्वारा दी गई अनुपम कुर्बानियों को कोई कभी नहीं भूल सकता। आज देश हजारों गुमनाम नायकों को, विशेषकर पंजाब के वीर सपूतों को, गर्व के साथ स्मरण करता है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई, बल्कि उनके साहसिक कार्यों ने लाखों अन्य लोगों को भी 'स्वतंत्रता की जंग' में कूदने के लिए प्रेरित किया। देश की कुल आबादी का केवल दो प्रतिशत होने के बावजूद, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान फांसी पर चढ़ाए गए या निर्वासित किए गए शहीदों में से 80 प्रतिशत पंजाबी थे।

कूका आंदोलन, ग़दर आंदोलन, किसान आंदोलन और अन्य भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों के साथ-साथ पंजाब ने लाला लाजपत राय और दीवान सिंह कालेपानी जैसे वीर सपूत पैदा किए, जिन्होंने देश को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के चंगुल से मुक्त कराने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद उधम सिंह और करतार सिंह सराभा के वीरतापूर्ण कार्यों ने देशवासियों को अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध झंडा उठाने के लिए प्रेरित किया और स्वतंत्रता आंदोलन में नया जोश भर दिया। इसी प्रकार, जलियांवाला बाग हत्याकांड में निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या ब्रिटिश शासन के ताबूत में आखिरी कील साबित हुई।

इसी तरह भारतवासियों ने, विशेषकर पंजाबियों ने, देश की संप्रभुता को खतरे में डालने की हर साजिश को नाकाम किया है। वर्ष 1947, 1962, 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करने के अलावा, हमारे वीर देशभक्तों ने देश की आन-बान और संप्रभुता की रक्षा के लिए महान बलिदान दिए हैं। हाल ही में हमारी बहादुर सेनाओं ने सीमा पर बढ़ते तनाव का मुंहतोड़ जवाब दिया, जो स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय संप्रभुता पर हमला था। हमारे वीर सैनिकों ने सीमा पार से देश विरोधी तत्वों के नापाक इरादों को विफल कर दिया। इसी प्रकार, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा देश को आंतरिक खतरों से सुरक्षित रखने के लिए की गई अनेक कार्रवाइयों में भी पंजाबी हमेशा अग्रणी रहे हैं। इसके अतिरिक्त, देश की समृद्धि और समग्र विकास सुनिश्चित करने के साथ-साथ देश की सीमाओं को बाहरी आक्रमणों से सुरक्षित रखने में भी पंजाबी सदैव अग्रिम पंक्ति में रहे हैं।

संकट के समय में भी हम बहादुर पंजाबियों ने कभी अपने हौसले को टूटने नहीं दिया। इसके विपरीत, उन्होंने देश के संविधान में पूर्ण विश्वास रखते हुए लोकतंत्र के सिद्धांतों को मजबूत किया है। हमारे सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, राज्य के किसानों ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपना पसीना बहाया और कड़ी मेहनत की। इसके लिए उन्होंने राज्य के अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों, पानी और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति, को भी कुर्बान कर दिया।

हालाँकि एक गणराज्य के रूप में हमने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद सफतापूर्वक कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं, फिर भी अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। संविधान निर्माताओं के सपने अभी भी पूरी तरह साकार नहीं हो पाए हैं, क्योंकि हमारे देश के अधिकांश नागरिक आज भी गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और भूख जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सात दशकों से अधिक के योजनाबद्ध विकास के बावजूद, हम अपने लोगों को बुनियादी सेवाएँ सुनिश्चित करने में सफल नहीं हो सके हैं, क्योंकि राज्यों और लोगों के बीच असमानताएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं।

हमारी ग्रामीण आबादी का एक बड़ा हिस्सा और यहाँ तक कि शहरी बस्तियों में रहने वाले लोग भी अब तक विकास की यात्रा का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। पिछले चार वर्षों से हमारी सरकार संविधान निर्माताओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, ताकि गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और अन्य सामाजिक बुराइयों से मुक्त उनके सपनों का पंजाब बनाया जा सके। हम अपने महान गुरुओं, संतों और पैगंबरों के पदचिह्नों पर चलते हुए हर कीमत पर राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द, शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और पंजाब को सर्वांगीण विकास के मार्ग पर अग्रसर कर रहे हैं।

राज्य में अभूतपूर्व विकास के युग की शुरुआत करने और पंजाब को तेज़ विकास पथ पर लाने के लिए हमारी सरकार ने इसे देश के मानचित्र पर अग्रणी राज्य बनाने हेतु साहसिक पहलें की हैं, जो निम्नलिखित हैं:

**मुख्यमंत्री सेहत योजना**

लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली योजना है। यह योजना पंजाब के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार प्रदान करती है। यह गर्व और संतोष की बात है कि ऐसी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाला पंजाब भारत का पहला राज्य है, जिससे लोगों पर वित्तीय बोझ काफी हद तक कम होगा। इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र होंगे, जिसे सुविधा केंद्रों और कॉमन सर्विस सेंटरों से प्राप्त किया जा सकता है, या आधार कार्ड अथवा वोटर कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर प्राप्त किया जा सकता है।

**युद्ध नशेयां विरुद्ध**

पंजाब सरकार ने नशों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ा, नशा तस्करों के सरगनाओं को जेल भेजा, नशा तस्करों के घरों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया तथा पीड़ितों के उपचार और पुनर्वास के माध्यम से पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई के रूप में 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' शुरू किया। 1 मार्च 2025 से 17 जनवरी 2026 तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 31,441 मामले दर्ज किए गए, 45,137 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया, 15.47 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद किए गए, 386 बड़े तस्करों को पकड़ा गया और 299 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

'युद्ध नशेयां विरुद्ध' का दूसरा चरण भी शुरू किया गया है और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए पंजाब में 3,083 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

**गैंगस्टरां ते वार**

नशों के विरुद्ध चल रही मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' की बड़ी सफलता के बाद, पंजाब सरकार ने अब 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाना है। यह गैंगस्टरों के विरुद्ध एक निर्णायक युद्ध है।

इस व्यापक कार्रवाई के तहत 2,000 पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिनमें 12,000 से अधिक पुलिस कर्मी शामिल थे। इन टीमों ने पंजाब भर में विदेश-आधारित 60 गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े चिन्हित और मैप किए गए स्थानों पर छापेमारी की।

इस रणनीतिक अभियान का स्पष्ट उद्देश्य गैंगस्टरवाद के पूरे तंत्र, उनकी वित्तीय व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स, सुरक्षित ठिकाने, हथियार आपूर्ति श्रृंखला और संचार नेटवर्क, को पूरी तरह समाप्त करना है।

नागरिकों को अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय रूप से जानकारी साझा करने तथा अपराध संबंधी सुझाव देने के लिए एक एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 भी शुरू किया गया है।

**राजस्व सुधार**

लोगों के लिए पारदर्शी, प्रभावी और भ्रष्टाचार-मुक्त राजस्व सेवाएँ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 'ईज़ी रजिस्ट्री' और 'ईज़ी जमाबंदी' पोर्टल शुरू किए हैं। ये क्रांतिकारी पहलें राज्य सरकार की ईमानदार, पारदर्शी और जन-हितैषी मंशा को दर्शाती हैं। देश के किसी अन्य राज्य में इतने मजबूत राजस्व सुधार नहीं हैं और ये जन-सुविधाओं के एक नए युग की शुरुआत करेंगे।

**आम आदमी क्लीनिक**

लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने पूरे पंजाब में 881 आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए हैं, जिन्होंने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति ला दी है। प्रतिदिन लगभग 70,000 मरीज इन क्लीनिकों से लाभ उठा रहे हैं और इनमें आने वाले 95 प्रतिशत से अधिक मरीज अपनी बीमारियों से ठीक हो जाते हैं। अब राज्य सरकार ने इन 881 आम आदमी क्लीनिकों के लिए व्हाट्सएप चैटबॉट भी शुरू किया है, जिसके माध्यम से मरीज व्हाट्सएप पर स्वास्थ्य से जुड़ी पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाओं की पर्चियाँ भी चैटबॉट के जरिए उपलब्ध होंगी।

**मुफ़्त बिजली**

पंजाब सरकार ने वर्ष 2022 में लोगों को मुफ़्त बिजली देने की गारंटी शुरू की थी। तब से राज्य के 90 प्रतिशत घरों को मुफ़्त बिजली मिल रही है और उन्हें शून्य बिजली बिल प्राप्त हो रहे हैं। इससे आम आदमी की जेब पर बड़ा बोझ कम हुआ है और गरीब परिवारों को सालाना कम से कम 35,000 रुपये की बचत हो रही है। यह गर्व और संतोष की बात है कि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों को भी राज्य में मुफ़्त और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

**शिक्षा क्रांति**

पंजाब सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढाँचे को बेहतर बनाने के लिए "पंजाब शिक्षा क्रांति" की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार 118 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को उत्कृष्ट दर्जे के स्कूलों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और खेल मैदान उपलब्ध होंगे। शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत शिक्षकों और प्राचार्यों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जा रहा है ताकि वे आधुनिक शैक्षिक पद्धतियों से परिचित हो सकें और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार कर सकें। यह गर्व की बात है कि भारत सरकार द्वारा कराए गए 'नेशनल अचीवमेंट सर्वे' में पंजाब ने केरल जैसे राज्य को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है।

**नहरी पानी**

जब मैंने पद संभाला था, तब राज्य में सिंचाई के लिए केवल 21 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग हो रहा था। आज यह बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। पद संभालने के बाद 'आप' सरकार ने राज्य में 6900 किलोमीटर लंबे 18,349 रजवाहों को पुनर्जीवित किया है, जिससे दूर-दराज के गाँवों तक भी पानी टेलों तक पहुँच रहा है।

**रोशन पंजाब**

राज्य सरकार ने पंजाब को देश का पहला बिजली कट-मुक्त राज्य बनाने के लिए 5000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 'रोशन पंजाब' अभियान शुरू किया है। केंद्र या किसी भी राज्य सरकार ने पहले कभी इस महत्वपूर्ण परियोजना के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन पंजाब सरकार ने ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क में व्यापक सुधार कर बिजली कटों से मुक्ति के लिए यह ऐतिहासिक पहल की है। इस अभियान के तहत नए बुनियादी ढाँचे का निर्माण, मौजूदा प्रणालियों का उन्नयन और बिजली क्षेत्र में रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे वोल्टेज उतार-चढ़ाव की समस्या समाप्त होगी, विशेषकर ग्रामीण और दूर-दराज़ क्षेत्रों में, और बिजली आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार होगा।

**शाहपुर कंडी डैम**

पंजाब सरकार ने शाहपुर कंडी परियोजना का औपचारिक उद्घाटन कर राज्य के लोगों को 3394.49 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक परियोजना समर्पित की है। इस परियोजना से राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता और सिंचाई सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह डैम परियोजना किसानों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और आम नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। पंजाब एक कृषि-प्रधान राज्य होने के कारण इस परियोजना से अत्यधिक लाभान्वित होगा, क्योंकि यह न केवल बिजली उत्पादन बढ़ाएगी बल्कि सिंचाई के लिए व्यापक सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी।

**ग्रामीण लिंक सड़कें**

पंजाब सरकार ने राज्य के इतिहास में सबसे बड़े सड़क निर्माण अभियान की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत कुल 16,209 करोड़ रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। ये सभी सड़कें पाँच वर्षों की रखरखाव शर्त के साथ बनाई जाएंगी, जो विश्व-स्तरीय सड़क सुरक्षा विशेषताओं और उच्च गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करेंगी। इस कदम का उद्देश्य पंजाब में बेहतर आवागमन उपलब्ध कराना और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूती देना है। इनमें से राज्य सरकार पहले ही 4,092 करोड़ रुपये की कुल लागत से 19,373 किलोमीटर ग्रामीण लिंक सड़कों का निर्माण कर चुकी है।

**औद्योगिक विकास**

राज्य सरकार पंजाब में निवेश और औद्योगिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी निरंतर कोशिशों से मेरी सरकार ने 1.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं, जिससे युवाओं के लिए 5.20 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। टाटा स्टील, सनातन टेक्सटाइल और अन्य प्रमुख कंपनियां पंजाब में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार 13-15 मार्च को मोहाली में 'प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन' के छठे संस्करण का आयोजन कर रही है। औद्योगिक परियोजनाओं के लिए नियामक स्वीकृतियों को तेज और सुचारु बनाने हेतु बिक्री विलेखों के पंजीकरण में ग्रीन स्टांप पेपर लागू किया गया है।

**नौकरियाँ और रोजगार**

योग्य उम्मीदवारों को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने के प्रयासों को जारी रखते हुए मेरी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित की है। अब तक पंजाब के युवाओं को पूर्णतः योग्यता के आधार पर 63,027 नियमित नौकरियाँ प्रदान की जा चुकी हैं। इससे युवा पंजाब के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बने हैं।

**भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता नीति**

जैसा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने पद संभालते समय वादा किया था, उसी के अनुरूप राज्य में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए तेज़ी से अभियान जारी रखा गया है। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन नंबर 9501200200 शुरू किया है। यदि कोई रिश्वत मांगता है तो कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के लिए मेरी सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति बिल्कुल भी सहनशीलता न रखने की नीति अपनाई है। विजिलेंस ब्यूरो, पंजाब ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए राजपत्रित अधिकारियों, गैर-राजपत्रित अधिकारियों और निजी व्यक्तियों के विरुद्ध मामले दर्ज किए हैं।

**सड़क सुरक्षा बल**

राज्य सरकार ने देश में अपनी तरह की एक अनूठी पहल के तहत समर्पित सड़क सुरक्षा बल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना और बहुमूल्य जानें बचाना है। विशेष रूप से प्रशिक्षित 1,597 नए भर्ती कर्मी इस बल की रीढ़ हैं, जिन्हें अत्याधुनिक और पूर्ण रूप से सुसज्जित 144 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। पिछले वर्ष फरवरी में शुरुआत के बाद से इस बल ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 50.07 प्रतिशत तक कम किया है तथा दुर्घटनाओं में घायल लोगों का कीमती सामान और धन भी वापस किया है। यह बल 4,200 किलोमीटर हाइवे पर तैनात है और दुर्घटना-संवेदनशील चिन्हित क्षेत्रों में गश्त करने के साथ-साथ यातायात उल्लंघनों की रोकथाम में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

**फ़रिश्ते योजना**

पंजाब सरकार ने सड़क हादसों के पीड़ितों की जान बचाने और आम लोगों को पीड़ितों की मदद के लिए प्रोत्साहित करने हेतु फ़रिश्ते योजना शुरू की है। राज्य सरकार ऐसे नेक कार्य करने वाले व्यक्तियों की सराहना के रूप में 2000 रुपये का वित्तीय इनाम देगी। वित्तीय इनाम के अतिरिक्त, ऐसे व्यक्तियों को एक प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा तथा उन्हें कानूनी जटिलताओं और पुलिस पूछताछ से छूट दी गई है।

**कानून व्यवस्था**

सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद पंजाब देश में शांति और प्रगति के केंद्र के रूप में उभरा है। इस दिशा में पंजाब पुलिस ने ऑपरेशन कासो (सी.ए.एस.ओ.) के रूप में कई पहलें शुरू की हैं। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और पी.जी.डी. पोर्टल की शुरुआत ने भी पंजाब में अपराध रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने राज्य और देश के अन्य हिस्सों में गैंगस्टरों और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई का नेतृत्व किया है, जिससे कई वांछित गैंगस्टरों और अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। इसके साथ ही हथियारों और गोला-बारूद की बड़ी मात्रा में बरामदगी तथा विभिन्न गैंगस्टर मॉड्यूलों का पर्दाफाश किया गया है।

**शहीदों के वारिसों को एक करोड़ रुपये**

देश की एकता और अखंडता की रक्षा में सशस्त्र सेनाओं, अर्धसैनिक बलों, पुलिस तथा अग्निवीर जवानों के अतुलनीय योगदान को सम्मान देते हुए, राज्य सरकार ड्यूटी के दौरान शहीद होने की स्थिति में उनके परिवार को एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह सहायता देश के लिए दी गई सर्वोच्च बलिदान के सम्मान स्वरूप दी जाती है। राज्य सरकार की यह विनम्र पहल देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए महान शहीदों के अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि है।

**फ़सलों की ख़रीद**

राज्य सरकार ने किसानों की फसल के मंडियों में पहुंचते ही सुगम, सुव्यवस्थित और निर्बाध खरीद तथा लिफ्टिंग के लिए नया मानदंड स्थापित किया है। किसानों की फसल को अनाज मंडियों से सुचारु, समयबद्ध और बिना किसी परेशानी के उठाया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अन्नदाता को अपनी फसल बेचते समय किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। एक अन्य पहल के तहत, पहले केवल आठ घंटे की बिजली आपूर्ति के स्थान पर अब किसानों को पूरे दिन नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति दी जा रही है।

**खेल नीति**

पंजाब सरकार ने खेलों के क्षेत्र में पंजाब की प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने के लिए वर्ष 2023 में राज्य की नई खेल नीति अधिसूचित की। इस नई खेल नीति के तहत पहली बार एशियाई और ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित खिलाड़ियों को बड़ी धनराशि प्रदान की गई है। पहली बार पंजाब के खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 20 पदक जीते, जो 1951 में एशियाई खेलों की शुरुआत के बाद से अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। उन्हें बिना किसी देरी के 29.25 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी गई। राज्य के खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जो इस नई खेल नीति का परिणाम है। यह गर्व की बात है कि कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम में 10 खिलाड़ी पंजाब से थे।

इतना ही पर्याप्त नहीं है; हम आपसे अपने महान पूर्वजों के सपनों को साकार करने के लिए सक्रिय सहयोग की अपेक्षा करते हैं। ये सपने उन लोगों की नकारात्मक सोच के कारण पूरे नहीं हो सके, जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर केवल खोखली बयानबाजी की, लेकिन उनके सपनों को साकार करने के लिए कुछ नहीं किया। हम जानते हैं कि हमारी राह कठिन है, क्योंकि हमें बेरोज़गारी, अशिक्षा, भुखमरी और अन्य सामाजिक बुराइयों पर नियंत्रण पाना है। लेकिन मुझ पर विश्वास करें, यह असंभव नहीं है। आपके निरंतर सहयोग से हम चमत्कार कर सकते हैं और उसका परिणाम आपके सामने होगा।

हम पंजाब को एक नए शिखर पर ले जाएंगे, जहाँ हम सभी को पंजाबी होने पर गर्व महसूस होगा। 'रंगले पंजाब' का यह सपना कठोर परिश्रम, लगन और प्रतिबद्धता से पूरा किया जा सकता है। इसके लिए हम सभी को कमर कसनी होगी और अपनी असीम ऊर्जा को पूरी निष्ठा के साथ इस दिशा में लगाना होगा।

जय हिंद !

# 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया का संदेश

**प्यारे पंजाब वासियो,**

आज 26 जनवरी के पावन अवसर पर मैं आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ। इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ और भारत एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बना।

इस अवसर पर मैं वीरों, गुरुओं और संतों की धरती पंजाब को नमन करता हूँ तथा उन सैनिक परिवारों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता हूँ, जिनके वीर सपूतों ने मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिए। आज हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी स्मरण करते हैं, जिनके त्याग से हमें आज़ादी मिली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सहित असंख्य देशवासियों ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अमूल्य योगदान दिया।

मैं शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, करतार सिंह सराभा, मदन लाल ढींगरा, लाला लाजपत राय और गदरी बाबों सहित सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिनकी कुर्बानियाँ हमारे इतिहास के स्वर्णिम अध्याय हैं।

आज हम संविधान सभा के सदस्यों और विशेष रूप से डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर को भी नमन करते हैं, जिनके नेतृत्व में हमें एक सशक्त संविधान प्राप्त हुआ। साथ ही, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को स्मरण करते हुए उनके द्वारा 562 रियासतों के एकीकरण के माध्यम से भारत को अखंड स्वरूप देने के महान कार्य को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ।

प्यारे पंजाब वासियो,

पंजाब देश का एक गौरवशाली और प्रेरणास्त्रोत राज्य है, जिसने अपनी बहादुरी, परिश्रम और समृद्ध विरासत से भारत को सदैव दिशा दी है। यह भूमि न केवल देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ रही है, बल्कि कृषि, उद्योग और उद्यमिता में भी अग्रणी रही है। सीमाओं की रक्षा से लेकर राष्ट्रनिर्माण तक पंजाबियों की भूमिका अनुकरणीय रही है। हाल की भीषण बाढ़ के दौरान भी पंजाब के लोगों ने साहस, सहयोग और सेवा-भाव से यह सिद्ध किया कि कठिन परिस्थितियों में भी पंजाब पूरे देश के लिए प्रेरणा बन सकता है।

प्रदेश सरकार "लोक सेवा और पारदर्शी शासन" के मंत्र पर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के अंतर्गत जनवरी 2026 से हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। राज्य में 881 आम आदमी क्लीनिक और 356 हाई-टेक एंबुलेंस कार्यरत हैं। जुलाई 2022 से लगभग 90% घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है तथा ट्यूबवेलों को 8 घंटे से अधिक निर्बाध बिजली दी जा रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं। शिक्षकों को फिनलैंड और सिंगापुर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बेटियों के लिए 230 से अधिक वाहनों से परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पंजाब ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में पहला स्थान प्राप्त किया। सरकारी स्कूलों के 265 विद्यार्थियों ने JEE Mains, 45 ने JEE Advanced और 847 ने NEET उत्तीर्ण किया है। 'ग्रामीण लाइब्रेरी स्कीम' के तहत 275 आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं और 63 हजार से अधिक सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं।

कृषि और आधारभूत ढांचा पंजाब की रीढ़ है। नहरी सिंचाई 21% से बढ़कर 72% हो गई है। 2300 करोड़ रुपये की लागत से 150 किमी लंबी मालवा नहर का निर्माण ऐतिहासिक कदम है। धान की सीधी बिजाई पर 1500 प्रति एकड़ प्रोत्साहन और पराली मशीनों पर 80% तक सब्सिडी दी जा रही है। 2022 से अब तक 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे 5 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। पंजाब को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 'टॉप अचीवर' का दर्जा मिला है। 19 हजार किमी लिंक सड़कों का नवीनीकरण जारी है।

'ईज़ी रजिस्ट्री' से जुलाई–दिसंबर 2025 के बीच 3.7 लाख से अधिक रजिस्ट्रियाँ हुईं। सड़क सुरक्षा बल, भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस नीति और शहीद जवानों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की सहायता जन-सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। राज्य में बाढ़ के बावजूद 156 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई और 37 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। गन्ने का 416 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य देश में सर्वाधिक है।

राज्य सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वाँ शहीदी दिवस अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित कर गुरु साहिब के महान जीवन, बलिदान और शिक्षाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, सिख तख्त साहिबानों से जुड़े श्री अमृतसर साहिब, श्री आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो को पवित्र नगर का दर्जा प्रदान किया गया।

'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत 17 जनवरी 2026 तक व्यापक कार्रवाई दौरान 31,441 मामले दर्ज हुए और 45,137 तस्कर गिरफ्तार किए गए। 1,962 किलोग्राम हेरोइन, 28 टन भुक्की और 15.47 करोड़ रुपये की ड्रग मनी जब्त की गई। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 498 ड्रोन गतिविधियाँ पकड़ी गईं, 256 ड्रोन बरामद हुए और 299 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की गई। ड्रोन तस्करी पर रोक के लिए तीन "बाज़ आँख" एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किए गए हैं।

अदालतों में 6,040 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें 5,317 मामलों में सजा देकर 88 प्रतिशत सजा दर हासिल की गई। साथ ही, राज्यभर में 50,433 नशा विरोधी जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। युवाओं को खेलों से जोड़ने हेतु 3,083 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन प्रयासों से पंजाब शीघ्र ही नशे की समस्या से मुक्त होकर अपने युवाओं को स्वस्थ, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा और "रंगला पंजाब" की गौरवशाली पहचान पुनः स्थापित करेगा।

देश की बात करें तो आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एक प्रभावशाली वैश्विक शक्ति और विकासशील राष्ट्रों के लिए प्रेरणा बन चुका है। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है, जहाँ 1.94 लाख से अधिक स्टार्ट-अप सक्रिय हैं और 76 हजार से अधिक में महिला निदेशक हैं।

रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों पर है। 2024-25 में रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपये और निर्यात 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा है, तथा लगभग 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में ही बन रहे हैं।

चंद्रयान-3, आदित्य-एल1, स्पेडेक्स और जैविक प्रयोगों ने भारत को अग्रणी अंतरिक्ष राष्ट्र बनाया है। 'इंडिया एआई मिशन' के तहत 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश हुआ है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 10 इकाइयाँ प्रस्तावित हैं, जिनमें एक मोहाली में है।

खेलों में 2025 ऐतिहासिक रहा—पुरुष क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी, महिला टीम ने पहला विश्व कप जीता और भारत ने अनेक अंतरराष्ट्रीय पदक प्राप्त किए। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी अहमदाबाद को मिलना भारत की खेल-क्षमता का प्रमाण है।

कृषि में 2024-25 में 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का रिकॉर्ड बना। डिजिटल खेती और किसान-केंद्रित योजनाओं से किसान सशक्त हो रहे हैं। महिला सशक्तिकरण हेतु 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'लखपति दीदी', 'मुद्रा' और 'मिशन शक्ति' जैसे कार्यक्रम प्रभावी रहे हैं।

जीएसटी सुधारों से कर प्रणाली सरल हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 1 लाख से अधिक नई मेडिकल सीटें जुड़ी हैं और 800 से अधिक मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। शिक्षा में भारत तीसरा सबसे बड़ा उच्च शिक्षा तंत्र बन चुका है, जहाँ 1,338 विश्वविद्यालय और 52 हजार से अधिक कॉलेज हैं।

सांस्कृतिक क्षेत्र में राम मंदिर शिखर ध्वजारोहण, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व और श्री गुरु तेग़ बहादुर जी का 350वाँ शहीदी दिवस राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बने।

पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की निर्णायक नीति स्पष्ट की।

समग्र रूप से आज का भारत आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सशक्त, सांस्कृतिक रूप से जागृत और वैश्विक मंच पर निर्णायक राष्ट्र के रूप में स्थापित हो चुका है।

प्यारे पंजाब वासियो,

आज का पंजाब परंपरा और प्रगति का सशक्त संगम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपने परिश्रमी किसानों, कर्मठ श्रमिकों, प्रतिभाशाली युवाओं और प्रतिबद्ध प्रशासन के सहयोग से पंजाब विकसित भारत के निर्माण में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर मैं विशेष रूप से युवाओं से आह्वान करता हूँ कि वे नशे के विरुद्ध जन-आंदोलन का नेतृत्व करें और अपने जीवन को शिक्षा, कौशल, खेल, उद्यमिता और सेवा की दिशा में आगे बढ़ाएँ। एक सजग, स्वस्थ और आत्मनिर्भर युवा ही पंजाब की सबसे बड़ी शक्ति है।

इस गणतंत्र दिवस पर आइए संकल्प लें कि हम भारत को विकसित, सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी राष्ट्र बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। विकसित भारत केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी साझा राष्ट्रीय चेतना है।

इन्हीं भावनाओं के साथ एक बार फिर आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिंद !

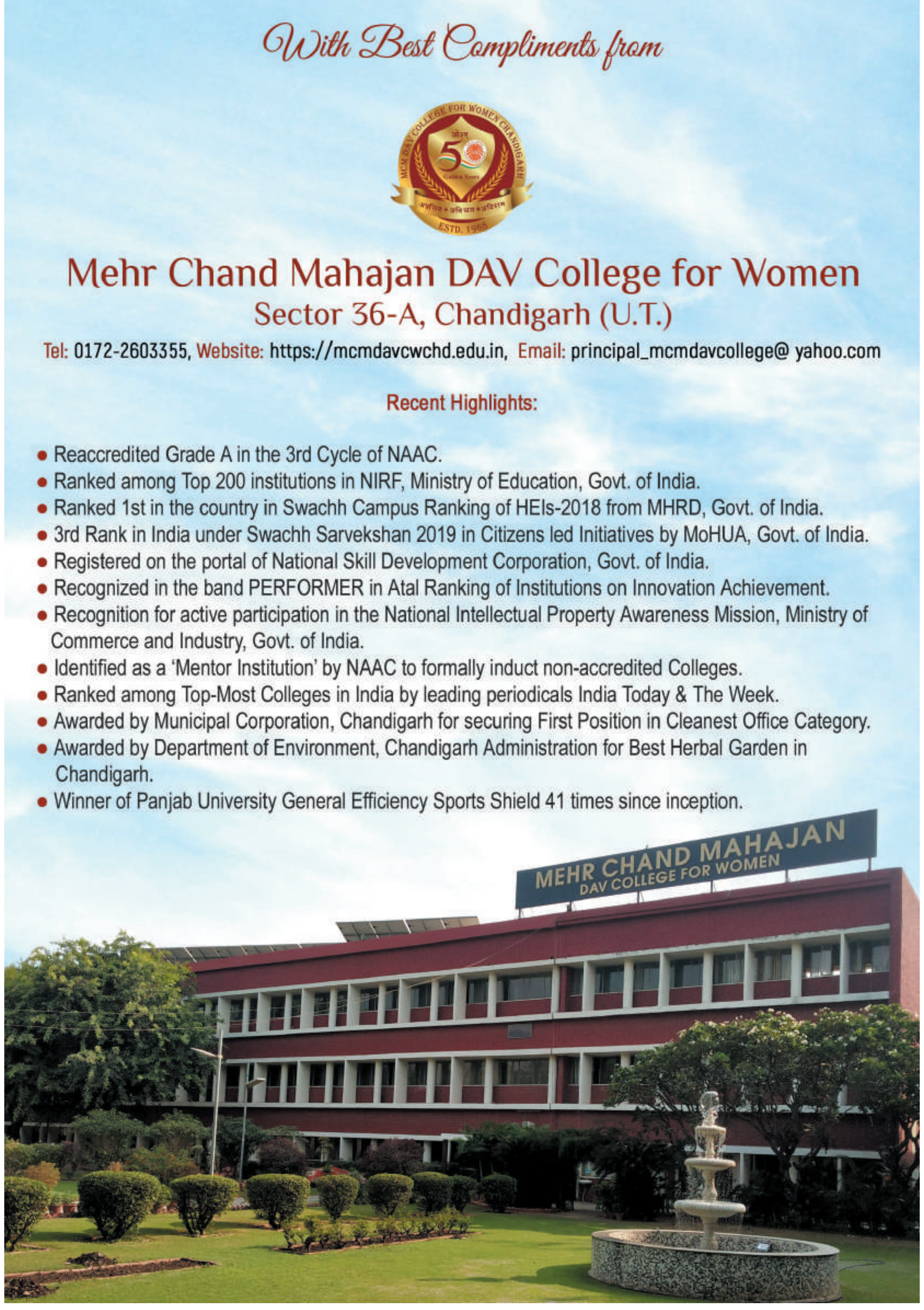

## संपादकीय

# दुश्मन नहीं, रास्ता बना जवानों का काल?

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए हादसे में जिस तरह दस जवानों की जान चली गई, वह दुर्गम इलाके में तैनात सुरक्षा बलों के सामने मौजूद बहुस्तरीय जोखिम का ही उदाहरण है। गौरतलब है कि गुरुवार को डोडा में सेना के एक बुलेटप्रूफ वाहन में सवार फौजी लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित एक चौकी की ओर जा रहे थे। इस बीच खन्नी टाप के पास वाहन सड़क से फिसल कर दो सौ फुट गहरी खाई में जा गिरा। इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद वाहन और उसमें सवार लोगों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। दस जवानों की मौत के अलावा ग्यारह अन्य जवान बुरी तरह घायल भी हुए। जाहिर है, आतंकवाद का सामना करने के क्रम में जानलेवा खतरों और हमलों का सामना करने के अलावा इस घटना से वहां ड्यूटी के लिए तैनात सुरक्षा बलों के सामने एक अतिरिक्त चुनौती का पता चलता है। यह इलाका अपनी बेहद मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाना जाता रहा है और वहां सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हमेशा ही जोखिम की स्थिति बनी रहती है। ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच आतंकवादियों का सामना करना पहले ही एक बड़ी चुनौती रही है।उसमें जब सुरक्षा कारणों से ही सड़कों पर सफर के क्रम में हुए हादसे में जवानों की मौत हो जाती है, तो यह वाहन चलाने में हुई मामूली चूक के खतरनाक नतीजों के साथ-साथ दुर्गम इलाकों में मौजूद रास्तों के बेहद असुरक्षित होने का भी सबूत है। सवाल है कि देश की सुरक्षा के लिहाज से अतिसंवेदनशील इलाकों में सड़कों को इस हालत में कैसे छोड़ा गया है कि किसी वाहन के खाई में गिरने के बाद उसमें सवार लोगों के जिंदा बचने की गुंजाइश बेहद कम होती है।अफसोस की बात यह है कि उस समूचे क्षेत्र में सुरक्षा बलों के सामने मौजूद अलग-अलग जोखिम के समांतर बचाव के मोर्चे पर शायद पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। वरना हादसे और जोखिम के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील जगहों पर सड़कों के किनारे मजबूत सुरक्षा घेरा या पैराफिट लगाने भर से पहाड़ी इलाकों में होने वाले हादसों में जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में वाहनों के दुर्घटना का शिकार होने और जवानों की मौत या उनके घायल होने की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। वाहन पर से चालक का नियंत्रण खोना एक कारण हो सकता है, लेकिन उस क्षेत्र में संकरी और घुमावदार सड़कों के तीखे मोड़ पर फिसलन का खतरा बना रहता है।ताजा घटना में जिस खन्नी टाप पर सेना का वाहन हादसे का शिकार हुआ, उस तरह की जगहों पर ऊंचाई और कंकड़-मिट्टी की वजह से फिसलन ज्यादा घातक हो जाती है।

**डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है।**

# शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

**(ललित गर्ग)**

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है।

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

# जवाबदेही तय करने का वक्त

**आज पूरे ज़िले में अधूरे खड़े सैकड़ों जर्जर ढांचों में हज़ारों बायर्स के सपने ज़ंग खा रहे हैं। कई जगह तो लोगों से पूरे पैसे वसूलने के दस साल बाद भी बस नींव खोदने का ही काम किया गया। जैसे हादसे वाला यह प्लॉट, जो अलॉट तो स्पोर्ट्स सिटी के नाम पर हुआ, लेकिन अथॉरिटी अफसरों की मिलीभगत से वहां स्टेडियम के बजाय मॉल बनाने के लिए गड्ढा खोद दिया गया। मामला खुला तो हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई और ईडी की जांच बैठा दी गई। लेकिन बिल्डर की हिमाकत देखिए कि वह तब भी नहीं रुका, उसने अवैध खनन के ज़रिए मुनाफा कमाने के लालच में उस गड्ढे को 70 फीट तक खोद डाला, जिसमें आसपास की सोसायटियों का जमा हुआ सीवर ही युवराज के लिए काल बन गया।**

**(अक्षय शुक्ला)**

युवराज की दर्दनाक मौत की स्क्रिप्ट बीस साल पहले ही लिख दी गई थी, जब अथॉरिटी ने किसानों से कौड़ियों के भाव ज़मीन ली और फिर उसे बिल्डरों को बेच लाखों खरीदारों को लूटने और तमाम तरह की अनियमितताओं की खुली छूट दे दी। उस ज़मीन पर बहुमंज़िला इमारतें खड़ी कर बिल्डरों ने घर खरीदारों से न सिर्फ कई गुना अधिक कीमत वसूली बल्कि सारी रकम बटोरने के बाद प्रोजेक्ट भी पूरे नहीं किए।

आज पूरे ज़िले में अधूरे खड़े सैकड़ों जर्जर ढांचों में हज़ारों बायर्स के सपने ज़ंग खा रहे हैं। कई जगह तो लोगों से पूरे पैसे वसूलने के दस साल बाद भी बस नींव खोदने का ही काम किया गया। जैसे हादसे वाला यह प्लॉट, जो अलॉट तो स्पोर्ट्स सिटी के नाम पर हुआ, लेकिन अथॉरिटी अफसरों की मिलीभगत से वहां स्टेडियम के बजाय मॉल बनाने के लिए गड्ढा खोद दिया गया।

मामला खुला तो हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई और ईडी की जांच बैठा दी गई। लेकिन बिल्डर की हिमाकत देखिए कि वह तब भी नहीं रुका, उसने अवैध खनन के ज़रिए मुनाफा कमाने के लालच में उस गड्ढे को 70 फीट तक खोद डाला, जिसमें आसपास की सोसायटियों का जमा हुआ सीवर ही युवराज के लिए काल बन गया।

नोएडा के ऐसे मौत के कुओं में दो साल में 11 लोग जान गंवा चुके हैं। लेकिन आज जैसा शोर नहीं मचा तो उन ज़िम्मेदारों को भी कोई फर्क नहीं पड़ा, जिनके लिए इस शहर के आम आदमी की कोई कीमत ही नहीं।

युवराज केस में जिस तरह से लोगों का आक्रोश फूटा है और सब तरफ से आवाज़ बुलंद हो रही है, अगर सिस्टम की लापरवाही से होने वाली हर मौत पर ऐसा शोर मचता तो शायद कुछ जवाबदेही तय हो पाती।

नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक देश में हर रोज़ सौ के करीब लोग डूबने से मर जाते हैं। दिल्ली विधानसभा में पेश रिपोर्ट कहती है कि विभागीय लापरवाही की वजह से राजधानी में पिछले दो साल में करीब ढाई सौ लोग ऐसे हादसों में जान गंवा चुके हैं, जिन्हें आसानी से रोका जा सकता था।

इन सब ज़िम्मेदार विभागों और अफसरों की जवाबदेही तय करने का इससे अच्छा वक्त नहीं हो सकता। सिर्फ तबादला या सस्पेंशन ढकोसला है क्योंकि मामला ठंडा पड़ते ही ये अफसर किसी और ज़िले के राजा बना दिए जाते हैं। कड़ी सज़ा के बगैर बदलाव की उम्मीद करना बेकार है।

जनसेवक कहलाते हैं तो क्यों न इनकी पीपीटी जनता के सामने ही रखी जाए, पता चल जाएगा कितने पानी में हैं। हज़ारों करोड़ रुपये के बजट वाली नोएडा की तीनों अथॉरिटी बताएं कि लाखों लोगों को बसाने के इतने साल बाद भी सीवर खुले में क्यों छोड़ा जा रहा, जगह-जगह खुले नाले और मौत के तालाब क्यों, सड़कों पर गड्ढे और अंधेरा क्यों, घर तक सुरक्षित पहुंचाने वाला पब्लिक ट्रांसपोर्ट क्यों नहीं।

जो अथॉरिटी नेताओं की नहीं सुनती, सीबीआई, ईडी तक के सवालों को अनदेखा कर देती है, उससे जवाब की उम्मीद करना बेकार है। लेकिन सिस्टम में लगी भ्रष्टाचार और नाकामी की इस ज़ंग को खत्म करने का बीड़ा उठाने की उम्मीद इस सरकार से तो कर ही सकते हैं, जो बोल्ड फैसलों के लिए जानी जाती है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

## वर्ग पहेली 5985

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | | 4 | 5 | ■ |
| | ■ | 6 | | ■ | 7 | | |
| ■ | 9 | | | ■ | 10 | | |
| ■ | 11 | | ■ | 12 | ■ | ■ | |
| 13 | | ■ | 14 | | | 15 | ■ |
| 16 | | | | | ■ | 17 | 18 |
| 19 | | ■ | | ■ | ■ | 20 | |
| ■ | ■ | 21 | ■ | ■ | 22 | | |

**संकेतः बाएं से दाएं**

1. 1 जून 1975 को भारत की महिला भारोत्तलक का जन्मदिवस है ये 2000 के सिडनी ओलम्पिक खेलों में कांस्य पक जीतने वाली प्रथम महिला खिलाड़ी है (7)
6. जल नित्तल, हथेली कवच (2)
7. प्रेमी, साजन, बलमा (3)
9. यह भारत देश की प्रचलित मुद्रा है (3)
10. जो रिश्तें पति की बहन हो (3)
11. खत, कागज, चिट्ठठी (2)
13. लेखा पुस्तक, रजिस्टर (2)
14. रामचरितमानस का एक भाग जिसमें श्रीराम के बाल्य काल का विवरण है (4)
16. राजा जनक के नामों में एक (5)
17. कोमल कांड, सुंदर स्त्री (2)
19. रिश्ता, संबंध (2)
20. ऐसी गोरी स्त्री जिसमें बल और आंखे स्याह हो (2)
21. ग्रीष्म ऋतु की तप्त हवा (1)
22. सैनिक, मिलिस्ट्रीमेन (2)

**ऊपर से नीचे**

1. कुंतीपुत्र जो कन्याकाल में सूर्य के अंश से उत्पन्न हुआ था, इसी से इसे कानीन कहते है, कान शरीर का एक संवेदी अंग (2)
2. इसे अंग्रेजी में बैलेट पेपर कहते है (4)
3. यह मलेशिया देश का पुराना नाम है (3)
4. सांस लेने व छोड़ने की एक जैविक क्रिया (3)
5. कारण (अंग्रेजी)(3)
8. गंभीर ध्वनि करना, बजाना (3)
9. अनाकर्षकता, आकर्षणहीनता, असौम्यता, असुंदरता (5)
12. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
13. ध्वनि या नाद उत्पन्न होना (3)
14. वरदल, जनैत, वरपक्ष, वरयात्री (3)
15. यह धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित एक पर्यटक स्थ है यह स्थल हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले का हिस्सा है (4)
18. नक्षत्र, सितारा, सुषेण की कन तथा बाली की पत्नी का नाम (2)

### वर्ग पहेली 5984 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नू | र | ज | हां | ■ | सा | के | त |
| त | ह | ल | का | ■ | हि | सा | ल |
| न | म | न | ■ | सु | र | ■ | ब |
| ■ | दि | ■ | स | त | लु | ज | ■ |
| गो | ल | मा | ल | ■ | धि | ■ | बां |
| पी | ■ | मा | फ | ■ | या | ज | क |
| ना | ज | ■ | ■ | ■ | न | मी | ■ |
| थ | ल | च | र | ■ | वी | र | ता |

# गणतंत्र दिवस पर ऑपरेशन सिंदूर की झांकी में दुनिया देखेगी भारत का शौर्य

**(अंकित सिंह)**

गणतंत्र दिवस 2026 की परेड में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक झांकी प्रदर्शित की जाएगी, जो पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ तीनों सेनाओं की संयुक्त सैन्य कार्रवाई का चित्रण करेगी। यह झांकी भारत के नए सुरक्षा सिद्धांत - त्वरित प्रतिक्रिया और सटीक मारक क्षमता - को दर्शाएगी, जिसमें राफेल और ब्रह्मोस जैसे हथियारों का प्रदर्शन शामिल है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारतीय सशस्त्र बल

संयुक्तता से विजय के नारे के साथ ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक झांकी प्रदर्शित करेंगे, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियान में भारत की सफलता और तीनों सेनाओं के समन्वय को दर्शाया जाएगा। एएनआई से बात करते हुए, वायु सेना प्रमुख मनीष सभरवाल ने झांकी के डिजाइन के बारे में बताया, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी अड्डे के विनाश और अभियान के दौरान इस्तेमाल किए गए हथियारों को दर्शाया गया है।

वायु सेना प्रमुख मनीष सभरवाल ने मीडिया को बताया कि हमने बीच में एक सीमा रेखा खींची है, जिसमें दाईं ओर भारत और पश्चिम में पाकिस्तान को दर्शाया गया है। जैसा कि आप जानते हैं, पहली ही रात को हमने नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया था, जिसमें सेना और वायु सेना ने संयुक्त अभियान चलाए थे। इनमें से सात शिविर सेना ने और दो वायु सेना ने नष्ट किए थे, और विनाश में इस्तेमाल किए गए हथियारों को यहां दर्शाया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि उदाहरण के लिए, हॉवित्जर तोप का इस्तेमाल किया गया, सेना और वायुसेना द्वारा युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले कामिकेज़ ड्रोन का प्रयोग किया गया, हमने राफेल और अन्य प्लेटफार्मों से भी हथियारों का इस्तेमाल किया। तो यह सब प्रदर्शित किया गया है। इस झांकी के केंद्र में हमले की कहानी सामने आती है, जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत के नए सामान्य स्वरूप को दर्शाती है - त्वरित प्रतिक्रिया, नियंत्रित वृद्धि और अचूक सटीकता। एक हारोप लोइटरिंग मुनिशन दुश्मन के वायु रक्षा रडार को नष्ट कर देता है, जो मानवरहित सटीक युद्ध में भारत की बढ़ती बढ़त को प्रदर्शित करता है। इसके बाद एससीएएलपी मिसाइलों से लैस एक राफेल विमान आतंकी ढांचे पर सर्जिकल स्ट्राइक करता है। गति तब और तेज हो जाती है जब एस-30 एमकेआई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल दागकर मजबूत विमान आश्रयों को नष्ट कर देता है, जो भारत की गहरी, तेज और त्रुटिहीन हमले करने की क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन है।

भारत के एकीकृत हवाई रक्षा नेटवर्क की विस्तारित पहुंच के साथ यह अभियान अपने चरम पर पहुंचता है। एस-400 प्रणाली, 350 किलोमीटर की दूरी पर अभियान के दौरान सबसे लंबी दूरी की कार्रवाई करते हुए, दुश्मन के हवाई पूर्व चेतावनी मंच को निष्क्रिय कर देती है, जिससे एक स्पष्ट संदेश जाता है- भारत सबसे पहले पता लगाता है, सबसे पहले निर्णय लेता है और सबसे पहले नष्ट करता है।

## आज का राशिफल

**मेष**
आज का दिन परोपकार में बीतेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव आपके पक्ष में हो सकते हैं। हालांकि, इन सब के बीच भी आप अपने व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे।

**वृष**
आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्ष वर्धक शुभ समाचार सुनने को भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है।

**तुला**
आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नए स्रोत बनेंगे, वाक्पटुता आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

**वृश्चिक**
आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा-प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

**मिथुन**
आज पिता के आशीर्वाद से किसी संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। इस दौरान उच्चाधिकारियों की विशेष कृपा आपके ऊपर रहेगी। उनके सहयोग से किसी बहुमूल्य वस्तु की अभिलाषा आज पूरी होगी। हालांकि, व्यस्तता थोड़ी अधिक रहेगी।

**कर्क**
आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है।

**धनु**
आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है।

**मकर**
आज व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे।

**सिंह**
आज राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुआ कार्य भी सम्पन्न होगा। पाचन क्रिया मंद तथा नेत्र विकार संभव है। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य परिहास में व्यतीत होगा।

**कन्या**
आज काम- धंधे में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। घर गृहस्थ की समस्या सुलझ जायेगी। परिवार में शांति कायम होगी।

**कुंभ**
आज पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। आज आपको पारिवारिक जिम्मेदारी भी उठानी पड़ सकती है।

**मीन**
आज वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा।

# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सादगी से मनाया जन्मदिन

## राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित बड़े नेताओं ने जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

**हिन्द जनपथ**

**पंचकूला (ब्यूरो)**। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज अपना 56वां जन्मदिन अत्यंत सादगी और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया। अपने जन्मदिन की शुरुआत उन्होंने पंचकुला के शिशु गृह में बच्चों से मिलकर की। उन्होंने वहां छोटे बच्चों को मिठाइयां बांट कर अपना जन्म दिन मनाया और इसके बाद वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंचकूला जिले के गांव समराल (भोज नायता) पहुंचे और ग्रामीणों के बीच बैठ कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' सुनी।

बाद में, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अपनी पत्नी श्रीमती सुमन सैनी के साथ पंचकूला स्थित श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर की गौशाला में पहुंचे। उन्होंने वहां गायों को चारा खिलाया और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री को जन्मदिन के अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शुभकामनाएं दीं। भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने फोन कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। यह शुभकामना मुख्यमंत्री के प्रति उनके सम्मान और स्नेह को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पित और ऊर्जावान नेता बताया। उन्होंने लिखा कि श्री नायब सिंह सैनी का जमीनी अनुभव हरियाणा के परिवारजनों के लिए अत्यंत कल्याणकारी सिद्ध हो रहा है और उनके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भी मुख्यमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के प्रति श्री सैनी के समर्पण की सराहना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने भी हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को जन्म दिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा ' हरियाणा के नॉन स्टॉप एवं यशस्वी मुख्यमंत्री प्रिय नायब सिनी जी, आपको जन्मदिन की आत्मीय बधाई एवं शुभकामनाएँ !

# पंजाब भर में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत पंजीकरण अभियान जारी

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज राजपुरा (पटियाला) के सिविल अस्पताल में, जबकि परिवहन एवं जेल मंत्री सरदार लालजीत सिंह भुल्लर ने पट्टी शहर और विभिन्न गांवों में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत पंजीकरण अभियान की अगुवाई की। इस अवसर पर उन्होंने आम लोगों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज के लाभों की विस्तृत जानकारी दी और स्वास्थ्य कार्ड बनाने की पूरी प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना 22 जनवरी से पूरे पंजाब में लागू हो चुकी है। इस योजना के तहत पंजाब के लगभग 65 लाख परिवारों को कवर किया जा रहा है, जिससे करीब 3 करोड़ लोगों को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का कार्ड अपने आप में एक नई पहल है, जो पंजाब के स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा। सरकार द्वारा बीमा कंपनी को पहले ही राशि का भुगतान किया जा चुका है, ताकि आम लोग बिना किसी वित्तीय बोझ के उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इस कार्ड के माध्यम से इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

परिवहन एवं जेल मंत्री सरदार लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि अब राज्य के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग निजी अस्पतालों में भी उपचार करवा सकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना इस उद्देश्य से तैयार की गई है कि राज्य का कोई भी नागरिक आर्थिक कठिनाइयों के कारण गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे।

कैबिनेट मंत्री स भुल्लर ने आगे बताया कि इस योजना के अंतर्गत सभी दवाइयों के साथ-साथ डायग्नोस्टिक जांच भी मुफ्त की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इसके तहत नागरिकों को ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी सहित अन्य उन्नत चिकित्सा श्रेणियों में विशेष उपचार सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना में अस्पतालों में इलाज की पूरी लागत के साथ-साथ डायग्नोस्टिक सेवाएं भी पूर्ण रूप से कवर की गई हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का यह ऐतिहासिक कदम प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

## न्यूज डायरी

### लक्ष्य ज्योतिष संस्थान ने मनाया अपना 10वां स्थापना दिवस

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। ज्योतिष विद्या को घर घर पहुंचाने वाले अग्रणी लक्ष्य ज्योतिष संस्थान, लक्ष्य ज्योतिष संस्थान चण्डीगढ ने रविवार को अपने ज्योतिष संस्थान में अपना 10वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर सिटीजन अवेयरनेस ग्रुप के चेयरमैन सुरिंदर वर्मा मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि सुरिंदर वर्मा ने संस्थान के विधार्थिओं ने संस्थापक ज्योतिषाचार्य रोहित कुमार और प्रेसिडेंट पीयूष कुमार संग केक काटा और एक दूसरे को बधाई देकर स्थापना दिवस को यादगार बनाया। सबने एक दूसरे का केक और मिष्ठान से मुंह मीठा करवाया, नारियल भेंट कर दसवें वर्ष में प्रवेश किया गया।

मुख्य अतिथि सुरिंदर वर्मा ने इस मौके संस्थान के संस्थापक, प्रेसिडेंट और स्टूडेंट्स को 10वें स्थापना दिवस की मुबारकबाद दी और रोहित कुमार ज्योतिषाचार्य द्वारा ज्योतिष विद्या के क्षेत्र के लिए किए जा रहे प्रचार-प्रसार की सराहना की। उन्होंने कहा कि ज्योतिष विद्या प्राप्त कर आज के समय बच्चे इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य संवार सकते हैं।

इस अवसर पर रोहित कुमार ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पिछले 9 वर्षों से यह ज्योतिष विद्या को घर घर पहुंचाने का प्रयास कर रहें हैं। लक्ष्य ज्योतिष संस्थान चण्डीगढ के द्वारा 17 ज्योतिष परामर्श शिविर का आयोजन भी किया जा चूका है और उनके द्वारा अनेक विद्यार्थी संस्थान से ज्योतिष विद्या हासिल कर आपनी सेवाएं दे रहे हैं। जो विधार्थी फीस देने में असमर्थ हैं उन्हें लक्ष्य ज्योतिष संस्थान चण्डीगढ की ओर से ज्योतिष विद्या निशुल्क प्रदान की जाती है।

### मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा द्वारा मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जिम्मेदार एवं सक्रिय भागीदारी की अपील

**हिन्द जनपथ**

**एस.ए.एस. नगर(ब्यूरो)**। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जिम्मेदार और सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अनिंदिता मित्रा ने जनतंत्र और लोकतंत्र के अविभाज्य संबंध पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र वह सशक्त आधार है, जिस पर सभी संस्थाएं प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती हैं। अमिटी विश्वविद्यालय, सेक्टर-82, मोहाली में आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए सीईओ पंजाब ने भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बी.आर. अंबेडकर को विशेष रूप से स्मरण किया, जिनकी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता के कारण भारतीय निर्वाचन आयोग को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। अपने मुख्य संबोधन में श्रीमती मित्रा ने ज़िला प्रशासन, अमिटी विश्वविद्यालय, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा सभी सहयोगियों का उत्साहपूर्ण एवं समावेशी आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

# विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 5.2 लाख रुपये रिश्वत लेते हेड कांस्टेबल रंगे हाथों काबू

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान सी.आई.ए. खन्ना में तैनात हेड कांस्टेबल रमेश कुमार को 5 लाख 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को मास्टर कॉलोनी, खन्ना, जिला लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता संपत्ति की खरीद-फरोख्त के कारोबार से जुड़ा हुआ है और उसने शिकायत की कि आरोपी हेड कांस्टेबल रमेश कुमार उससे मिला और उस पर जुए की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। आरोपी कांस्टेबल ने शिकायतकर्ता को बताया कि खन्ना के सीआईए इंचार्ज नरपिंदरपाल सिंह ने उसे बुलाया है। शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी तरह की ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं है, फिर भी उसे सीआईए इंचार्ज से संपर्क करने के लिए मजबूर किया गया था।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता कार्यालय गया और सीआईए इंचार्ज नरपिंदरपाल सिंह से मिला, जिसने शिकायतकर्ता पर सट्टेबाजी और गैर-कानूनी लॉटरी से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया और हेड कांस्टेबल रमेश कुमार के माध्यम से 5 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। उसने शिकायतकर्ता के खिलाफ झूठा केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की धमकी भी दी।

उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने मजबूरी में 2,20,000 रुपये की व्यवस्था की और खन्ना में अपने परिचित दिनेश कुमार के घर रमेश कुमार को देने का प्रयास किया, लेकिन यह कहते हुए पैसे वापस कर दिए गए कि पूरी 5 लाख रुपये की राशि दी जाए।

# मुख्य मंत्री की ओर से होशियारपुर में सलेरन डैम इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट का उद्घाटन; कहा, 'आप' सरकार पंजाब के पर्यटन स्थलों को विकसित करके युवाओं को दे रही है रोजगार

**हिन्द जनपथ**

**होशियारपुर (ब्यूरो)**। सलेरन डैम स्थल पर पर्यावरण-अनुकूल हट्स का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि इससे राज्य में इको-टूरिज्म और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने साथ ही कहा कि आम आदमी पार्टी ('आप') की सरकार पंजाब के पर्यटन स्थलों को विकसित करके रोजगार के अवसर बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि अमृतसर, पटियाला और चमरौड़ झील पर फिल्मों की शूटिंग और डेस्टिनेशन वेडिंग से भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि सलेरान डैम प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थलों को टक्कर देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आप' सरकार ने खंडहर का रूप धारण कर चुके 52 रेस्ट हाउसों को पुनर्जीवित किया है, जिनसे अब किराए के माध्यम से एक करोड़ रुपए मासिक राजस्व उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सरकारी संपत्तियां अपने चहेतों को बहुत कम कीमत पर बेच दी थी, जबकि उनकी सरकार ने कार्रवाई करके वही संपत्तियां वापस हासिल कर ली हैं।

सलेरन डैम इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज हमने राज्य में पर्यटन बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए सलेरन डैम इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले चौहाल डैम प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक चल रहा है और यह नई पहल पर्यटकों के लिए एक और आकर्षक स्थान उपलब्ध करवाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर लगभग 2.80 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है और इससे वार्षिक 18 लाख रुपए से अधिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि होगी।

प्रोजेक्ट के तहत प्रदान की गई सुविधाओं के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के लिए 16,000 वर्ग फुट में फैला विशेष खेल मैदान बनाया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के झूले और अन्य मनोरंजन गतिविधियों का प्रबंध किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पर्यटकों के ठहरने के लिए चार इको हट्स और 80 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक कैफेटेरिया भी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि सलेरन डैम के सुंदर दृश्यों का आनंद लेने के लिए एक बड़ा एम्फीथिएटर भी तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट पंजाब में इको-टूरिज्म को बड़ा प्रोत्साहन देने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पर्यावरण संवेदनशीलता और जागरूकता को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है, जिसमें पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों के लिए पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार पंजाब के कंडी क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में अथाह संभावनाएं हैं, जिन्हें दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आदर्श पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सकता है।

# गणतंत्र दिवस के अवसर पर गृह मंत्रालय द्वारा पी.एम.डी.एस. और एम.एम.एस. से सम्मानित किए जाने वाले पंजाब पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों के नामों की घोषणा

**डीजीपी गौरव यादव ने पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई, पंजाब पुलिस की सेवाओं को मान्यता देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार का जताया आभार**

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। पंजाब पुलिस की उत्कृष्ट सेवाओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पंजाब पुलिस के उन अधिकारियों/कर्मचारियों के नामों की घोषणा की है, जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएमडीएस) और सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएमएस) से सम्मानित किया जाएगा।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजीपी) अन्वेषण (लोकपाल) पंजाब विभू राज, निदेशक ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (बीओआई) पंजाब एल.के. यादव तथा एडीजीपी जेल अरुण पाल सिंह को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा।

इसी प्रकार, एक आईपीएस अधिकारी—डीआईजी सुरक्षा,राज भवन जसदेव सिंह सिद्धू—और पाँच पीपीएस अधिकारियों, जिनमें एआईजी एसएसजी रणदीप सिंह मान, डीएसपी एजीटीएफ राजन परमिंदर सिंह, डीएसपी विजिलेंस ब्यूरो नवदीप सिंह, एसीपी पीबीआई अमृतसर स्पिंदर कौर तथा डीएसपी एसपीयू हरिंदरदीप सिंह शामिल हैं, उन 15 अधिकारियों/कर्मचारियों में शामिल हैं जिन्हें सराहनीय सेवा के लिए पदक हेतु चुना गया है। अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों में इंस्पेक्टर सुखजीत सिंह, इंस्पेक्टर हरीश कुमार, लेडी इंस्पेक्टर मनजीत कौर, इंस्पेक्टर तलविंदर सिंह, इंस्पेक्टर राजिंदर कुमार, इंस्पेक्टर प्रीतपाल सिंह, लेडी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) धर्मजीत कौर, एसआई भूपिंदर सिंह तथा एएसआई स्वर्णजीत कौर शामिल हैं।

पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने इन अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवाओं को मान्यता देने तथा समूचे पंजाब पुलिस बल का मनोबल बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता पुलिस बल को और अधिक समर्पण एवं लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है, जो कि अनेक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने वाले सीमावर्ती राज्य में अत्यंत आवश्यक है।

# राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026: चंडीगढ़ में राज्य-स्तरीय पदयात्रा का आयोजन

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर MY Bharat Chandigarh, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, पंजाब विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के सहयोग से राज्य-स्तरीय मतदाता जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में 756 युवा मतदाताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और मतदाता शपथ, शपथ चक्र तथा प्रथम-बार मतदाताओं को बैज प्रदान कर सम्मानित किए जाने जैसी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। लोकतंत्र की प्रतीकात्मक मशाल (बैटन) का हस्तांतरण युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों में 2.5 किलोमीटर की जीवंत पदयात्रा, रंगोली गतिविधियाँ तथा पदयात्रा में भाग न लेने वाले प्रतिभागियों के लिए योग एवं ज़ुम्बा सत्र शामिल रहे, जिन्होंने युवाओं के उत्साह और सक्रिय सहभागिता को दर्शाया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. (डॉ.) रेनु विग, माननीय कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा किया गया, जबकि प्रो. वाई. पी. वर्मा, कुलसचिव, पंजाब विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में अतिथियों ने नैतिक मतदान, जागरूक सहभागिता तथा सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में युवाओं की जिम्मेदारी पर बल दिया। कार्यक्रम का सफल समन्वय श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, MY Bharat Chandigarh तथा डॉ. परवीन गोयल, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर MY Bharat स्वयंसेवकों और उत्साही प्रतिभागियों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा।

# एमसीएम ने 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय ने इलेक्शन डिपार्टमेंट, यू.टी. चंडीगढ़ के तत्वावधान में तथा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 'माय इंडिया माय वोट' थीम तथा टैगलाइन 'भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिक' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस अवसर पर यू.टी. चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद, आईएएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अन्य गणमान्य अतिथियों में श्री स्वप्निल एम. नाइक, आईएएस, मुख्य निर्वाचन अधिकारी; श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस, जिला निर्वाचन अधिकारी; श्री अमनदीप सिंह भट्टी, पीसीएस, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी; तथा श्री सौरभ कुमार अरोड़ा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी शामिल थे।

मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए श्री स्वप्निल एम. नाइक ने वर्ष 2025 की प्रमुख उपलब्धियों से श्रोताओं को अवगत कराते हुए केंद्र शासित प्रदेश में नुक्कड़ नाटकों और विशेष मतदाता नामांकन शिविरों जैसी अभिनव मतदाता जागरूकता पहल के निरंतर आयोजन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की छात्राओं द्वारा शास्त्रीय कथक शैली में प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ। इसके पश्चात रचनात्मक प्रस्तुतियों की एक जीवंत श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसमें भारत निर्वाचन आयोग की प्रमुख पहलों पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक शामिल रहा, विशेष रूप से निर्वाचन सेवाओं हेतु "बुक ए कॉल" सुविधा पर विशेष बल दिया गया; इसके साथ ही माइम एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ भी हुईं।

इस अवसर पर श्री एच. राजेश प्रसाद ने नव-पंजीकृत युवा मतदाताओं को ईपीआईसी (मतदाता पहचान पत्र) वितरित किए तथा सर्वश्रेष्ठ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ), बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), प्रतियोगिता विजेताओं एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया। निर्वाचन साक्षरता क्लबों (ईएलसी) के माध्यम से उत्कृष्ट योगदान देने वाले सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों, महाविद्यालयों और विभागों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसके साथ ही निर्वाचन विभाग का कैलेंडर भी श्री एच. राजेश प्रसाद द्वारा जारी किया गया तथा निर्वाचन शपथ भी दिलाई गई। 'माय इंडिया, माय वोट' थीम पर आयोजित रंगोली निर्माण एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लेने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री प्रसाद ने ज़ोर देकर कहा कि लोकतंत्र की जीवंतता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक अपने मताधिकार का उत्तरदायित्वपूर्ण और निष्पक्ष रूप से प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन की निष्पक्षता, पारदर्शिता और मतदाता सुविधा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 30 प्रमुख पहलें शुरू की हैं।

# पाकिस्तान-आधारित आतंकी शहज़ाद भट्टी का मुख्य सहयोगी गिरफ्तार ; पिस्तौल बरामद

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के तहत पाकिस्तान-आधारित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), एसएएस नगर ने पाकिस्तान-आधारित आतंकी शहज़ाद भट्टी के मुख्य सहयोगी को .30 बोर पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

- **गिरफ्तार आरोपी इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप के जरिए शहज़ाद भट्टी के सीधे संपर्क में था: डीजीपी गौरव यादव**
- **इस मामले में आगे की जांच जारी: एआईजी एसएसओसी दीपक पारिक**

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमन कुमार उर्फ़ गोलू, निवासी गंग्याल, जम्मू के रूप में हुई है। रमन कुमार उर्फ़ गोलू को अंबाला पुलिस ने करीब एक सप्ताह पहले अंबाला थाने में हुए धमाके के मामले में गिरफ्तार किया था, जो शहज़ाद भट्टी के निर्देशों पर किया गया था। इस मामले में आरोपी ने भट्टी के इशारे पर अन्य आरोपियों को वित्तीय सहायता प्रदान की थी।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से शहज़ाद भट्टी के सीधे संपर्क में था और अंबाला थाना धमाका मामले में शामिल था। उन्होंने कहा कि आरोपी ने इस घटना में शामिल लोगों को आर्थिक मदद भी उपलब्ध कराई थी।

डीजीपी ने आगे बताया कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

एआईजी एसएसओसी, एसएएस नगर दीपक पारिक ने कार्रवाई से संबंधित विवरण साझा करते हुए बताया कि पुलिस टीमों ने जम्मू के गौरव सिंह को मोहाली से गिरफ्तार किया था, जो टारगेट किलिंग की योजना बना रहा था। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि शहज़ाद भट्टी ने टारगेट किलिंग के उद्देश्य से रमन कुमार उर्फ़ गोलू नामक एक अन्य व्यक्ति को पिस्तौल उपलब्ध करवाई थी।

उन्होंने बताया कि गौरव के खुलासे के बाद आरोपी रमन कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर अंबाला जेल से पंजाब लाया गया और संबंधित जिला अदालत में पेश किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने उसके खुलासों के आधार पर उससे .30 बोर पिस्तौल बरामद की।

एआईजी ने बताया कि आरोपी लंबे समय से आतंकी शहज़ाद भट्टी के संपर्क में था और उसके निर्देशों पर काम कर रहा था। पूछताछ के दौरान रमन कुमार ने यह भी बताया कि उसकी जम्मू के गंग्याल क्षेत्र में मांस की दुकान है और स्थानीय इलाके के कई व्यक्तियों से उसकी रंजिश है। इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

इस मामले में थाना एसएसओसी, एसएएस नगर में आर्म्स एक्ट की धारा 25(1) तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 113(1) और 61(2) के तहत एफआईआर नंबर 13 दिनांक 10.12.2025 दर्ज की गई थी।

एसजेवीएन
SJVN

# विद्युत उत्पादन से राष्ट्र का सशक्तिकरण

एक सतत् एवं समावेशी भविष्य के लिए हमसे जुड़ें।
आइए मिलकर प्राकृतिक ऊर्जा को अपनाएं, नवाचार को आगे बढ़ाएं
और एक उज्ज्वल, हरित भविष्य का निर्माण करें।

**पंजीकृत कार्यालय** : शक्ति सदन, कारपोरेट ऑफिस काम्पलैक्स, शनान, शिमला–171006, हिमाचल प्रदेश (भारत)

**सम्पर्क कार्यालय** : ऑफिस ब्लाक, टॉवर–1, 6वीं मंजिल, एनबीसीसी कॉम्पलैक्स, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली–110023

## एसजेवीएन लिमिटेड
## SJVN LIMITED
(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
'एक नवरत्न सीपीएसई'

www.sjvn.nic.in @Sjvnlimited @Sjvnlimited @sjvnlimited

# इंग्लैंड ने श्रीलंका को 5 विकेट से दूसरा वनडे हराया

**● जो रूट की फिफ्टी, 2 विकेट भी लिए, सीरीज 1-1 से बराबर**

**कोलंबो (एजेंसी)।** इंग्लैंड ने श्रीलंका को दूसरा वनडे 5 विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कोलंबो में शनिवार को पहले बैटिंग करते हुए होम टीम ने 219 रन बनाए। इंग्लिश टीम ने 46.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

**श्रीलंका ने लगातार विकेट गंवाए** – आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने बैटिंग चुनी। कमिल मिशारा 5 ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद पाथुम निसांका 26, धनंजय डी सिल्वा 40, विकेटकीपर कुसल मेंडिस 26, कप्तान चरिथ असलंका 45, जनिथ लियानागे 12, पवन रत्नायके 29 और दुनिथ वेल्लालागे 20 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका 49.3 ओवर में 219 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए जैमी ओवरटन, आदिल रशीद और जो रूट ने 2-2 विकेट लिए। लियम डॉसन, विल जैक्स और रेहान अहमद को 1-1 विकेट मिला। सैम करन और जैकब बेथेल कोई विकेट नहीं ले सके।

**जो रूट ने फिफ्टी लगाई** – 220 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड ने छठे ओवर में नए ओपनर रेहान अहमद का विकेट गंवा दिया। वे 13 रन ही बना सके। बेन डकेट ने फिर जो रूट के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली, लेकिन वे 39 रन बनाकर ही आउट हो गए। जैकब बेथेल भी 6 रन ही बना सके।

रूट ने फिर फिफ्टी लगाई और कप्तान हैरी ब्रूक के साथ टीम को 178 तक पहुंचा दिया। रूट 75 रन बनाकर आउट हुए। ब्रूक 42 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 189 पर 4 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर जोस बटलर ने फिर 33 रन बनाकर विल जैक्स के साथ टीम को जीत दिला दी। श्रीलंका के लिए धनंजय डी सिल्वा और जेफरी वांडरसे ने 2-2 विकेट लिए। असिथा फर्नांडो को 1 विकेट मिला। प्रमोद मदुषन, दुनिथ वेल्लालागे, चरिथ असलंका और पवन रत्नायके कोई विकेट नहीं ले सके।

# टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित

## सलमान आगा कप्तान, 6 खिलाड़ियों को पहली बार मौका दिया

**लाहौर (एजेंसी)।** टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम का ऐलान कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें पीसीबी हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और पुरुष चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद, पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा और व्हाइट-बॉल हेड कोच माइकल जेम्स हेसन मौजूद रहे। सलमान अली आगा को कप्तान बनाया गया है। जबकि बाबर आजम, फखर जमान और शाहीन शाह अफरीदी जैसे सीनियर्स को भी चुना गया है। पाकिस्तानी टीम पहला मैच 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगी।

**6 खिलाड़ियों को पहली बार वर्ल्ड कप का मौका** – इस टीम में 6 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्हें पहली बार वर्ल्ड कप के लिए चुना गया है। इनमें फहीम अशरफ, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साहिबजादा फरहान और उस्मान तारीक शामिल हैं।

अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, साइम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान और उस्मान खान 2021 के बाद से एक या उससे अधिक टी20 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं।

### ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्डकप की तैयारी करेगी पाक

वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। यह सीरीज गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर में 29 और 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को खेली जाएगी। टीम का तैयारी कैंप आज से शुरू हो रहा है।

### पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया

20 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में हर टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी। इसके बाद सुपर-8 और नॉकआउट स्टेज खेले जाएंगे। पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत के साथ रखा गया है।

# अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

## न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया; आयुष म्हात्रे की फिफ्टी, अंबरीश ने लिए थे 4 विकेट

**बुलावायो (एजेंसी)।** भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप हुई।आयुष म्हात्रे ने 53 और वैभव सूर्यवंशी ने 40 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 4 विकेट झटके। जबकि हेनिल पटेल को 3 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से कैलम सैमसन ने नाबाद 37 और सेल्विन संजय ने 28 रन की पारियां खेलीं। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की।

**बारिश के कारण 37-37 ओवर का था मैच** – न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन का टारगेट दिया था, जिसे रिवाइज्ड करके 130 रन कर दिया गया। क्योंकि, बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ। फिर इसे रोकना भी पड़ा था।

# आगर पाकिस्तान टी-20 वर्ल्डकप छोड़ देता तो तो पीएसएल की एनओसी छिन जाती

### पाक ने बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट से हटने के संकेत दिए थे

**दुबई (एजेंसी)।** इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक,आईसीसी बोर्ड पाकिस्तान को इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरी तरह अलग-थलग करने की तैयारी में है। उसे भविष्य की सभी द्विपक्षीय सीरीज और एशिया कप से बाहर कर सकता है। आईसीसी बोर्ड के सदस्यों के बीच ऐसी पॉलिसी लाने पर विचार हो रहा है, जिससे विदेशी खिलाड़ी पाकिस्तान सुपर लीग में हिस्सा न ले सकें। इसके लिए संबंधित देशों के क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) देना बंद कर सकते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने बांग्लादेश का समर्थन करते हुए टूर्नामेंट से हटने के संकेत दिए। दरअसल, बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत में वर्ल्ड कप खेलने से मना कर दिया था, जिसके बाद आईसीसी ने शनिवार को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया।

● **बांग्लादेश की मांग 14 देशों ने खारिज की** – बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मैच श्रीलंका में कराने और ग्रुप बदलने की मांग की थी। गुरुवार को हुई आईसीसी बोर्ड की मीटिंग में 16 में से 14 देशों ने बांग्लादेश की इस मांग को खारिज कर दिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश को फैसला बदलने के लिए एक दिन का समय दिया था, लेकिन उनके न मानने पर उन्हें यूरोपियन टीम (स्कॉटलैंड) से रिप्लेस कर दिया गया। मोहसिन नकवी ने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान को न्यूट्रल वेन्यू मिल रहे हैं तो बांग्लादेश को क्यों नहीं।

● **सुरक्षा से खुश नहीं था बांग्लादेश बोर्ड** – बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की मांग थी कि उनके प्लेयर्स को भारत में खतरा है, इसलिए उनकी टीम के मैच श्रीलंका में कराए जाए। आईसीसी ने सुरक्षा में कोई कमी नहीं बताई और बांग्लादेश को भारत में ही खेलने की हिदायत दी। बांग्लादेश फिर भी खेलने के लिए नहीं माना, इसलिए आईसीसी ने उन्हें यूरोपियन टीम से रिप्लेस कर दिया

# पहले भी 6 बार टी20 विश्व कप खेल चुकी है स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज तक को दे चुकी है मात

**दुबई (एजेंसी)।** आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश के बाहर होने के बाद स्कॉटलैंड को उसकी जगह शामिल किया गया है। इस मेगा टूर्नामेंट के लिए बांग्लादेश के भारत आने से इनकार के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह बड़ा फैसला लिया। टी20 विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। बांग्लादेश के मैच भारत में होने थे लेकिन बीसीबी ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बांग्लादेश सरकार के कहने पर भारत की यात्रा से इनकार कर दिया।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देशों के बाद अनुभवी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के लिए भारत की यात्रा से इनकार कर दिया। कई दिनों तक बातचीत के बाद अंत में आईसीसी ने बांग्लादेश को बाहर कर स्कॉटलैंड को उसी के शेड्यूल पर टीम में शामिल किया। हालांकि स्कॉटलैंड कोई नई टीम नहीं है और पहले भी टी20 विश्व कप खेल चुकी है।

### टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड का शेड्यूल

स्कॉटलैंड को ग्रुप-सी में रखा गया है जिसमें पहले बांग्लादेश था। स्कॉटलैंड को अपने पहले तीन ग्रुप मैच कोलकाता में खेलने हैं।

**पहला मैच** – 7 फरवरी, बनाम वेस्टइंडीज

**दूसरा मैच** – 9 फरवरी, बनाम इटली

**तीसरा मैच** - 14 फरवरी, बनाम इंग्लैंड

### पहले भी खेल चुकी है टी20 वर्ल्ड कप

स्कॉटलैंड सातवीं बार टी20 वर्ल्ड कप में भाग लेने जा रही है। इससे पहले 2007, 2009, 2016, 2021, 2022 और 2024 में टीम ने टी20 वर्ल्ड कप खेला है। 2021 में स्कॉटलैंड सुपर-12 स्टेज तक पहुंचा था।

### उलटफेर करने में माहिर हैं स्कॉटिश

2021 में टी20 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड ने अपने से बेस्ट रैंक की टीम बांग्लादेश को 6 रनों से हराया था।

2022 के टूर्नामेंट में 2 बार की चैम्पियन वेस्टइंडीज पर 42 रनों से जीत दर्ज की थी

### स्कॉटलैंड का रिकॉर्ड

कुल टी20 इंटरनेशनल मैच - 109

जीत - 49

हार- 55

नोरिजल्ट - 4

टाई - एक

**बेस्ट स्कोर** - 252/3 (सितम्बर 2019 नीदरलैंड्स के खिलाफ)

**सबसे कम स्कोर** - 60 रन (2021 में अफगानिस्तान के खिलाफ)

# न्यूयॉर्क में उलटफेर करने से चूकी भारत की उभरती हुई स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की उभरती हुई स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को न्यूयॉर्क में स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में जापान की विश्व में सातवें नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ उलटफेर करने की स्थिति में पहुंचने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। अपने पहले पीएसए प्लैटिनम-स्तरीय टूर्नामेंट में भाग ले रही महिला रैंकिंग में विश्व की 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने शुरुआती दो गेम जीते, लेकिन जापान की छठी वरीयता प्राप्त अनुभवी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 6-11, 6-11, 11-2, 11-8, 11-6 से जीत हासिल की।

सतोमी ने कहा, 'यह मेरे लिए वास्तव में एक कड़ा मैच था। उसने (अनाहत) बहुत ही शानदार खेल दिखाया। उसके विनर्स तो कमाल के थे। मैं मैच जीतने से वास्तव में बहुत खुश हूं। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी अनाहत ने इससे पहले लूसी टरमेल को हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया था। अनाहत ने इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया था।

# आर्यना बालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

## विक्टोरिया म्बोको को हराया, अल्काराज लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट के अंतिम-8 में पहुंचे

**मेलबर्व (एजेंसी)।** डिफेंडिंग चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 बेला रूस की आर्यना सबालेंका और मेंस सिंगल्स के वर्ल्ड नंबर-1 ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरेना में खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में उन्होंने कनाडा की 19साल की खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 6-1, 7-6(1) से हरा दिया। इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मैच के दौरान सबालेंका ने अपना दबदबा दिखाते हुए लगातार 22वां टाईब्रेकर जीतने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

### शुरुआती पिछड़ने के बाद अल्काराज की शानदार वापसी

मैच की शुरुआत में 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने अल्काराज को कड़ी टक्कर दी। पॉल ने पहले सेट में ही 4-2 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, अल्काराज ने जल्द ही लय हासिल की और सेट को टाईब्रेकर तक खींच ले गए। टाईब्रेकर में टॉमी पॉल की एक डबल फॉल्ट ने अल्काराज को पहला सेट जीतने का मौका दे दिया। 2 घंटे 44 मिनट तक चले इस मुकाबले में अल्काराज ने कुल 35 विनर्स लगाए।

### तीसरे सेट में टॉमी पॉल ने दिखाया जुझारूपन

टॉमी पॉल, जो चोट के कारण 2025 के आखिरी तीन महीनों में टेनिस से दूर थे, उन्होंने तीसरे सेट में वापसी की पूरी कोशिश की। एक समय तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 2-1 कर लिया था। लेकिन 11वें गेम में अल्काराज ने उनकी सर्विस ब्रेक कर दी और मैच को अपने पक्ष में कर लिया। इस जीत के साथ अल्काराज का टॉमी पॉल के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-2 का हो गया है।

### सबालेंका ने 31 मिनट में जीता पहला सेट, दूसरे में मिली टक्कर

मैच की शुरुआत में सबालेंका पूरी तरह से हावी नजर आईं। उन्होंने महज 31 मिनट में पहला सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, दूसरे सेट में 17वीं सीड म्बोको ने जबरदस्त वापसी की। एक समय सबालेंका 4-1 से आगे चल रही थीं, लेकिन म्बोको ने उनकी सर्विस ब्रेक कर स्कोर बराबर कर दिया और गेम सेट टाईब्रेकर में पहुंचा, जहां सबालेंका ने म्बोको को कोई मौका नहीं दिया और 7-1 से टाईब्रेकर जीतकर मैच अपने नाम किया।

● **टाईब्रेकर में लगातार 22वीं जीत** – आर्यना सबालेंका टेनिस सर्किट में टाईब्रेकर स्पेशलिस्ट बनकर उभरी हैं। पिछले मैच में अनास्तासिया पोटापोवा को दो टाईब्रेकर में हराने के बाद, आज की जीत के साथ उन्होंने लगातार 22 टाईब्रेकर जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। इसमें से 19 टाईब्रेकर उन्होंने पिछले साल जीते थे।

● **नडाल का रिकॉर्ड तोड़ने की रेस में अल्काराज** – अल्काराज इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीत लेते हैं, तो वे करियर ग्रैंड स्लैम (चारों बड़े ग्रैंड स्लैम जीतना) पूरा करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड उनके हमवतन राफेल नडाल के नाम है।

# बांग्लादेश के टी20 विश्व कप से बाहर होने पर विश्व क्रिकेट संघ का पहला बयान आया सामने

### 'एक दुखद क्षण है जिस पर गहन चिंतन' करने की जरूरत

**लंदन (एजेंसी)।** विश्व क्रिकेट संघ (डब्ल्यूसीए) ने टी20 विश्व कप से बांग्लादेश के बाहर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि यह 'एक दुखद क्षण' है जिस पर 'गहन चिंतन' करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को पुष्टि की कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। आईसीसी ने कहा कि यह 'मुश्किल फैसला' इसलिए किया गया क्योंकि टूर्नामेंट से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के उसकी टीम के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को पूरा करना संभव नहीं था।

डब्ल्यूसीए के सीईओ टॉम मोफैट ने बयान में कहा, 'टी20 विश्व कप से बांग्लादेश के बाहर होने और इस कारण टी20 के सर्वोच्च टूर्नामेंट से एक क्रिकेट प्रेमी देश की अनुपस्थिति हमारे खेल, बांग्लादेश के खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए एक दुखद क्षण है। यह एक ऐसा क्षण है जिस पर गहन चिंतन करने की जरूरत है।

### बांग्लादेश को होगा 3 लाख से 5 लाख डॉलर का आर्थिक नुकसान

बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत आने से इनकार कर दिया था और मांग की थी कि उसके मुकाबले श्रीलंका में कराए जाएं।भारत न जाने का निर्णय पूरी तरह सरकार और बोर्ड स्तर पर लिया गया, जिससे खिलाड़ी खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। आईसीसी के अंतिम फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट एक बड़े मोड़ पर खड़ा नजर आ रहा है।टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद बांग्लादेश को केवल ग्रुप स्टेज की भागीदारी फीस के तौर पर 3 लाख से 5 लाख डॉलर (करीब 3.6 से 6.7 करोड़ टका) का नुकसान हो सकता है।

### रेवेन्यू शेयर और ब्रांड डील्स पर असर

इसके अलावा, बांग्लादेश को टूर्नामेंट के रेवेन्यू शेयर से बाहर किया जा सकता है, जिससे उसे करीब 2.7 करोड़ डॉलर (325-330 करोड़ टका) का नुकसान हो सकता है। यह रकम बीसीबी की सालाना आय का लगभग 60 प्रतिशत बताई जा रही है। इतना ही नहीं, खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड कॉन्ट्रैक्ट्स भी खतरे में हैं।

हरियाणा सरकार
GOVT. OF HARYANA
गणतंत्र के गौरव गान में, भारत की शान में,
आओ फहराएं तिरंगा, संविधान के सम्मान में
26 जनवरी, 2026
गणतंत्र दिवस
के अवसर पर देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
"गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं !
इस अवसर पर हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं,
जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि
हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।"
- नरेन्द्र मोदी
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana